bjpkamaljyoti@gmail.com संवत 2076 युगाब्द 5120 मूल्य : ₹10 अंक – 24, जुलाई द्वितीय अंक 2021, कुल पृष्ठ – 32

वर्तमान कमल ज्योति

सुराज की विचार यात्रा
वर्तमान कमल ज्योति

प्रदेश कार्यसमिति बैठक

15, 16 जुलाई 2021, लखनऊ

प्रदेश कार्यसमिति बैठक

वर्तमान कमल ज्योति

संरक्षक
श्री स्वतंत्र देव सिंह

सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी

प्रबन्ध सम्पादक
राजकुमार

प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह

पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

संपादकीय

सामाजिक सरोकारों वाली सरकार

सामाजिक सरोकार का मतलब होता है कि हम जन साधारण के पास जाएं, उनसे उनकी समस्याओं के बारे में बात करे और उसका समाधान करें। ऐसे ही सामाजिक सरोकारों के साथ उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने स्वर्णिम कार्यकाल में समाज के हर वर्ग के लिये कार्य किया है। इस सरकार में समाज के हर वर्ग तक विकास की किरण पहुंच रही है। प्रदेश में सड़कों का चौड़ीकरण की बात हो या फिर कानून व्यवस्था की, शिक्षा और रोजगार की या फिर स्वास्थ्य सेवाओं की सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य हुए हैं। कोरोना से बचाव के लिए हर संभव कदम उठाये गय गुंडाराज, भ्रष्टाचार को हटाकर समृद्ध भारत, समृद्ध प्रदेश के लिए काम किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश सरकार 75वें स्वतंत्रता दिवस पर सभी शहरों में फ्री वाईफाई की सुविधा दे रही है। इसमें 17 नगर निगमों के साथ ही सभी 75 जिला मुख्यालय शामिल हैं।15 अगस्त से हर शहर के बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन के समीप के स्थलों, तहसील, कचहरी, ब्लाक कार्यालय, रजिस्ट्रार कार्यालय तथा मुख्य बाजारों में मुफ्त वाईफाई की सुविधा मिलेगी। एक तरह से सरकार ने भाजपा के संकल्प पत्र को पूरा करके आज जन से किया अपना एक और वायदा पूरा करके दिखाया है।

राष्ट्रीय जीवन में घुन की तरह लगे सामाजिक रीति–रिवाजों, प्रदर्शन, फैशन, दहेज, बड़े भोज, प्री–बेड शुटिंग,भव्य एवं खर्चिली शादियों, साप्रदायिकता के कोढ़ को समाप्त करने की दिशा में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री की सामूहिक विवाह योजना एक रचनात्मक भूमिका का निवर्हन कर रही है, जिसका व्यापक स्तर पर स्वागत हो रहा है। सरकार ने एक वर्ष में सामूहिक विवाह के लिए 250 करोड़ का बजट दिया था। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने समाज को नई दिशा देने के लिए इस योजना में अब तक पौने दो लाख गरीब बेटियों के सामूहिक शादियों के आयोजन करके समाज–सुधार का एक अनूठा उपक्रम आरंभ किया है। एक तरह से भाजपा सरकार ने सामाजिक क्रांति का शंखनाद किया है। सामाजिक सरोकारों की अगड़ी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार 58 हजार से अधिक पंचायत सहायकों की भर्ती कर रही है। समाज के हर वर्ग को इसका लाभा मिले इसके लिये सरकार ने तय किया है कि, प्रधान अपने परिवार व रिश्तेदारों को नहीं रख पाएंगे एवं जिस जाति की आरक्षित ग्राम पंचायत होगी, उसी जाति का पंचायत सहायक होगा। चयन के लिए सर्वश्रेष्ठ मेरिट वाले का चयन किया जाएगा।

इसको समाज के हर वर्ग की सरकार कहा जा रहा है क्यों कि सरकार ने तय किया है कि इन पदों पर ग्राम पंचायत के लोग ही चयनित हो सकेंगे। इसकी प्रक्रिया छह महीने में पूरी होगी लिहाजा गांवों में 58 हजार से अधिक युवाओं को मानदेय पर रोजगार मिल जाएगा। प्रत्येक पंचायत सचिव को छह हजार रुपये महीने मानदेय दिया जाएगा। इसी तरह, प्रदेश में मनरेगा में कामकाज के पर्यवेक्षण के लिए 22 हजार से अधिक महिला मेट की नियुक्ति की जा रही है।

इसके अतिरिक्त सरकार एक लाख से अधिक पदों पर लोगों को रोजगार देने के लिए काम कर रही है। जबकि पिछले चार साल में सरकार ने चार लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिया है। वहीं महिलाओं के मोर्चे पर भाजपा सरकार ने अपने दायित्व को पूरा निवर्हन किया है। स्वयंसेवा सहायता समूहों के माध्यम से अनगिनत रोजगार महिलाओं को मिल रहे हैं। बैंकिंग सखी बनाकर बैंकों को जनता के निकट लाने का कार्य सरकार ने किया है।

संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान अन्य प्रदेशों से भी अपने गांव लौटकर आए प्रवासी श्रमिकों में से हजारों श्रमिक भी तीसरी लहर के भय से अभी वापस नहीं लौटे है। सरकार ने शिक्षित बेरोजगारों, महिलाओं और अर्द्धकुशल श्रमिक स्तर के लोगों को गांवों में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए कुछ विभागों में मानदेय पर भर्तियां शुरू कर रखी है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने नई जनसंख्या नीति की घोषणा कर दी है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर यूपी में 2021–2030 तक की जनसंख्या नीति लागू किया गया है। माना जात है कि, आबादी विस्तार के लिए गरीबी और अशिक्षा बड़ा कारक हैं। कुछ समुदायों में भी जनसंख्या को लेकर जागरूकता का अभाव है। ऐसे में समुदाय केंद्रित जागरूकता के प्रयास की जरूरत है। यूपी में जन्म दर को 2030 तक 1. 9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से बाल मृत्यु दर और और मातृ मृत्यु दर को कम करने का कार्य किया जा रहा है। इससे नियोजन को बढ़ावा मिल रहा है।

राज्यों का दायित्व सामाजिक सरोकारों से जुड़ा होता है। उनके लिए समाज कल्याण ही सर्वोपरि होता है। इसमें प्रदेश की भाजपा सरकार का संकल्प राष्ट्र एवं समाज के प्रति एक सार्थक योगदान है। समाज–सुधार के लिये अभी कुछ नहीं हुआ, तो फिर कब होगा? इस प्रश्न का उत्तर भी हमें ही तलाशना होगा, इस कार्य में यदि सरकार भी आगे आती है तो समाज परिवर्तन में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इसी सोच से सरकार ने संगठित चेतना जगाई है ताकि दीये से दीया जलाने की परम्परा सतत चलती रहे।

akatri.t@gmail.com

प्रदेश कार्यसमिति बैठक 15-16 जुलाई 21

गांव-गांव विकास की नई धारा बहाने को तैयार है भाजपा

अध्यक्षीय उद्बोधन

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठजनों एवं सम्मानित सदस्यों का मै हृदय से स्वागत वंदन एवं अभिनंदन करता हूँ ।

मित्रों! हम लोग लगभग साढ़े तीन महीने पहले मिले थे। तब हमारे सामने पंचायत चुनाव की चुनौती थी। अब हम जब दोबारा मिल रहे हैं तो उस चुनौती को जीतकर 67 जिला पंचायत अध्यक्ष और 650 से ज्यादा ब्लाक प्रमुखों की विजय के साथ हम गांव–गांव विकास की नई धारा बहाने को तैयार हैं।

इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डाजी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की नीति, नीयत और निर्णयों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है।

यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी एवं आदरणीय योगी जी के साथ जन–जन का आशीर्वाद बरकरार है। इसके लिए मैं प्रदेश की जनता जर्नादन का आभार व्यक्त करते हुए उसे प्रणाम करता हूं तथा अपने करोड़ों देवतुल्य कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम के लिए साधुवाद देता हूँ।

मित्रों, उत्तर प्रदेश की यह धरती भारतीय संस्कृति के विकास और सृजन की भूमि रही है। जन–जन के आराध्य मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की भूमि है, श्री कृष्ण की भूमि है तथा यहाँ पर शिव की काशी भी है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश को सर्वाधिक प्रधानमंत्री देने वाले इस प्रदेश से हमारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के शिखर पुरूष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने लखनऊ से संसद पहुंच प्रधानमंत्री बन देश का गौरव बढ़ाया ।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी उत्तर प्रदेश में देश की सांस्कृतिक राजधानी काशी से उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। राजधानी से आदरणीय राजनाथ सिंह जी रक्षामंत्री के रूप में देश सीमाओं की रक्षा का दायित्व निभा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश भाजपा का राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते हम सभी को इस सौभाग्य पर गर्व की अनुभूति है।

प्रदेश के प्रभारी तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते माननीय अमित शाह जी ने हम सबका मार्गदर्शन किया और अब आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी जिस प्रकार से हम सभी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे है, वह अनुकरणीय है।

आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के सरल स्वभाव के कारण आज देश के हर गांव एवं शहर में बैठा एक सामान्य कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय नेतृत्व से अपना जुड़ाव महसूस करता है। माननीय नड्डा जी ने करोड़ों कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोते हुए अपनी कुशल संगठनात्मक नीतियों के माध्यम से भाजपा को गांव–गांव और भी अधिक सशक्त किया है ।

साथियों, माननीय मोदी जी के डिजिटल इंडिया संकल्प और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का इस नीतियों पर पूरी तरह अमल का ही सुखद परिणाम रहा कि कोरोना काल में भाजपा राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक डिजिटल हुई।

जिसके कारण कोरोना काल में करोड़ों कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय संभव हो सका है। जब विपक्ष बयानबाजी में व्यस्त था तब हम लोगों से संपर्क व संवाद कर उनकी समस्याओं के समाधान कर रहे थे ।

कार्यकर्ताओं के सतत परिश्रम से भाजपा आज हर घर, गली, गांव तक न सिर्फ संवाद बनाने में सफल हुई बल्कि सेवा कार्यों को भी विस्तार दे सकी। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश ने कोविड काल में जरूरतमंदों को 4 लाख 51 हजार 230 भोजन पैकेट व राशन किट वितरित किए।

माननीय मोदी जी की सरकार के सफलतम् 7 वर्ष पूर्ण होने पर 28, 29 व 30 मई को सभी मोर्चों के कार्यकर्ताओं

ने रक्तादान शिविरों का आयोजन कर 174 ब्लड डोनेशन कैम्पों के माध्यम से 7 हजार 253 यूनिट रक्तदान कर सरोकारी राजनीति को विस्तार दिया।

इसी कड़ी में 30 मई को **"सेवा ही संगठन"** अभियान के तहत 21 हजार 950 ग्राम पंचायतों तथा वार्ड में कार्यक्रम हुए। जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारी एवं जन प्रतिनिधियों ने 10 लाख 23 हजार 263 जरूरत मंदों को राहत सामग्री जैसे–दवा किट, सैनेटाइजर, मास्क, काढ़ा, साबुन, राशन किट, थर्मल स्कैनर आदि वितरित किये।

10 जून से 15 जुलाई तक चले जागरूकता अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने लोगों को पोस्ट कोविड समस्या के समाधान में सहायता दी। वैक्शीनेशन व वृक्षारोपण कार्यक्रमों को चलाते हुए गांवों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया।

'सेवा ही संगठन' के मंत्र के साथ एक–एक व्यक्ति तक पहुंचकर उसके कष्ट को बांटने का जो काम आप सभी ने किया है उसके लिए मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के मूलमंत्र को लेकर प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं आदरणीय योगी जी की राज्य सरकार की सबसे बड़ी विशेषता गरीबों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचा कर प. दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के स्वप्न को साकार कर रही है।

जहां गरीब बैंक के दरवाजे में प्रवेश नहीं कर पाता था आज उसका अपना बैंक खाता है। जो गरीब महिलाएं धुंए से परेशान रहती थी आज उनके पास उज्ज्वल्ला योजना का गैस कनेक्शन है। नारी के सम्मान की रक्षा के लिए आज गाँव–गाँव में शौचालय तैयार हुए है। गरीबों के पास अपनी अपनी छत है। आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा है। ऐसे ही अनेक काम माननीय मोदी जी ने देश के गरीब के कल्याण के लिए किए हैं।

"सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन" के संकल्प के साथ विश्व का सबसे बड़ा और सबसे तीव्र गति वाला टीकाकरण हमारे देश व प्रदेश में चल रहा है।

आदरणीय मोदी जी ने ना सिर्फ सेवा और सरोकारों के मोर्चे पर उल्लेखनीय कार्य ही नहीं किए, बल्कि राष्ट्रवाद सर्वोपरि की नीति पर भी अमल किया। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, राम मंदिर का निर्माण, नागरिकता संशोधन क़ानून, ट्रिपल तलाक की विदाई जैसे ऐतिहासिक निर्णय इसका उदाहरण हैं।

एक समय था जब उद्योगपति उत्तर–प्रदेश में लूट खसोट, भ्रष्टाचार माफियाराज और गुंडागर्दी के कारण कोई व्यापारी आने से डरते थे। आज योगी सरकार ने माहौल बदल दिया है। कानून का राज होने के कारण गुंडों माफिया अपराधियों का सफाया हुआ। लोग भय और आतंक मुक्त है। तभी तो उद्योगपतियों के लिए निवेश का सबसे पंसदीदा राज्य उत्तर प्रदेश है।

आदरणीय योगी जी से कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आते ही मैदान में उतर कर अस्पतालों से लेकर गांवों तक का दौरा कर कोरोना पीड़ितों के इलाज की व्यवस्थाओं की निगरानी की। एक वाक्य में कहें तो योगी सरकार ने जान और जहान दोनों की पूरी संवेदना के साथ चिंता की । सभी की रक्षा का कार्य किया।

कोरोना काल के बावजूद हमारे पास उपलब्धियां हैं। सेवा का संकल्प है। सरोकारों पर समर्पण है। राष्ट्रवाद पर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विपक्ष की भूमिका पूरी तरह नकारात्मक रही है। विपक्ष के नेता सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। आप सभी से अनुरोध है कि वे विपक्ष की पूरी करतूत जनता को बताएं। साथ ही तन मन से उत्तर प्रदेश की एक–एक जन की चिन्ता करते हुए प्रदेश को पूर्ण विकसित राज्य बनाने के लिए जुटें और आगे 2022 की चुनावी सफलता सुनिश्चित करें।

मित्रों हमें पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विभूतियों की प्रेरणा तथा आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की पूर्ण पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रणाली एवं हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी की स्वच्छ एवं ईमानदार छवि तथा करोड़ों कार्यकर्ताओं के परिश्रम की पराकाष्ठा और बूथ–बूथ संगठन के सशक्त ढांचे व संवेदनशील एवं सरोकारी राजनीति के बदौलत हम 2022 में पुनः एक बार प्रचंड जनादेश प्राप्त करेंगे।

इस कार्यकारिणी में सहभागी बनने वाले आप सभी वरिष्ठजनों का एक बार पुनः बहुत स्वागत है, वंदन है, अभिनंदन है।

हम सभी अपनी आस्था, विश्वास और पुरूषार्थ से उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाते हुए भारत माता की समृद्धि और सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए उसकी प्रसिद्धि में वृद्धि करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर पूरी क्षमता से एकजुट होकर जुटेंगे। इसी विश्वास के साथ आप सभी को बहुत–बहुत धन्यवाद।

भारत माता की जय। वंदे मातरम्। जय श्रीराम।

प्रदेश कार्यसमिति बैठक 16 जुलाई 21

प्रदेश की तस्वीर बदल रहा है 'रोजगार सृजन'

प्रदेश कार्यसमिति बैठक मे श्री लक्ष्मण आचार्य द्वारा राजनैतिक प्रस्ताव रखा गया। जिसका श्री पंकज सिंह द्वारा अनुमोदन एवं श्रीमती मीना चौबे द्वारा समर्थन किया गया । जो सात संशोधनों के बाद सर्व सम्मति से पास हुआ।

राजनैतिक प्रस्ताव

उ0प्र0 की राजधानी लखनऊ में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हो रही है। यह प्रदेश देश का विशालतम् प्रदेश है जहाँ गंगा यमुना सरस्वती की धारा प्रवाहित होती है। ज्ञान, अध्यात्म, शिव की नगरी काशी, प्रभु श्रीराम की अयोध्या, गीता का संदेश देने वाली श्री कृष्ण की नगरी मथुरा, यही प्रदेश महात्मा बुद्ध, गुरु रविदास, संत तुलसीदास, संत कबीर व कवि जायसी ने दुनिया को शान्ति एवं सौहार्द का संदेश दिया है। राजनीति में एकात्म मानववाद का दर्शन देने वाले हम सब के प्रेरणा स्रोत पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मभूमि, कर्मभूमि यही प्रदेश रहा है। लखनऊ की धरती से सांसद होकर श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में पार्टी ने तीन बार आदर्श लोक कल्याणकारी सरकार बनाने का काम किया। आज सौभाग्य का विषय है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इसी प्रदेश की आध्यात्मिक नगरी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी तरफ प्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी गोरक्ष पीठ से निकल कर उ0प्र0 की नई विकासगाथा मा0 मोदी जी के नेतृत्व में लिख रहें हैं। कभी प्रदेश सपा, बसपा व कांग्रेस की सरकारों के कारण आराजकता, जंगलराज, गुण्डाराज, विपन्नता से जूझ रहा था। उ0प्र0 आज सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। वर्ड बैंक की इज ऑफ डूइंग की रैकिंग बिजनेस रिफॉर्म ऐक्शन प्लान के क्रियान्वन में उ0प्र0 ने लम्बी छलांग लगायी है और 12वें स्थान से बढ़कर दूसरे स्थान में पहुँच गया है। वैश्विक आपदा कोरोना की चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी मा0 नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में योगी सरकार ने जिस प्रकार से आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति दिया जिसमें वोकल फॉर लोकल को प्राथमिकता देते हुए नई ऊँचाइयों पर ले गये। जिससे प्रदेश की जनता की सेवा–सुरक्षा, समृद्धि, विकास की योजनाओं को जमीन पर उतारा जा सका। जिसकी भूरि–भूरि प्रशंसा सम्पूर्ण समाज कर धन्यवाद व आभार व्यक्त कर रहा है।

अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण व प्रदेश का ढांचागत विकास, विशेष रूप से सड़क एक्सप्रेस–वे निर्माण, कोविड–19 प्रबंधन, हर घर नल–जल, उर्जा के क्षेत्र में सरप्लस पावर वाला स्टेट, शिक्षा सुधार, कौशल विकास एवं प्रवासी मजदूर, रोजगार सृजन प्रदेश की तस्वीर को बदल रहें हैं। विशेष रूप से दूसरी लहर के दौरान संगठन सरकार ने **"सेवा"** के नये कीर्तिमान स्थापित किये। इसके साथ पंचायत चुनाव, शिक्षा एवं रोजगार, कृषि क्षेत्र में विकास, भ्रष्टाचार पर लगाम, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, अपराधियों एवं माफियाओं पर अंकुश, धर्मान्तरण के माध्यम से सांम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ धर्म परिवर्तन विधेयक आया जिसमें 10 वर्ष तक की कठोर

सजा के प्रावधान से लगाम लगा। अनेक सरकार की उपलब्धियों के साथ भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हो रही है।

पिछले करीब डेढ़–दो वर्षों से पूरा विश्व कोविड महामारी से पीड़ित है। जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस संकट की घड़ी में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में लोक जीवन को बचाने का न केवल प्रयास हुआ अपितु विपदा में सेवा कार्यों की नयी मिसाल प्रस्तुत की गई। महामारी के बावजूद विकास के पहिए को रूकने नहीं दिया। ढांचागत विकास की दिशा में हम सभी ने सकारात्मक गति को बनाये रखा है, इसके लिए यह कार्यसमिति अपने नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है।

कोविड–19 का प्रबंधन

दुनिया के तमाम विकसित देश जहां कोविड–19 के सामने खुद को बेबस पा रहे थे, वहीं अपनी विशाल जनसंख्या एवं सीमित संसाधनों के बावजूद हमने श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इसका प्रभावी तरीके से मुकाबला किया। उ0प्र0 देश की सर्वाधिक आबादी वाला प्रदेश है। कोविड–19 के प्रकोप को देखते हुए यह आशंका व्यक्त की गयी थी कि हमारे प्रदेश में यह महामारी कहर बनकर टूटेगी। किन्तु मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमने इसका मुकाबला किया। जिसकी प्रशंसा उच्चत्तम न्यायालय एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), नीति आयोग, सहित अनेक देशों ने भी की है।

आंकड़ो के लिहाज से देखें तो 12 जुलाई, 2021 तक कोविड–19 संक्रमण की स्थिति कुछ इस प्रकार है। उत्तर प्रदेश की कुल 24 करोड़ जनसंख्या में करीब 17 लाख यानि 0.70 प्रतिशत लोग संक्रमित हुए है। संक्रमित लोगों मे से 98.58 प्रतिशत लोग रिकवर हुए।

महामारी के कठिन दौर में भी विपक्षी दलों ने नकारात्मकता फैलाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। जनता में भ्रम फैलाकर उन्हें टीकाकरण से दूर रखने तक का प्रयत्न किया गया। जहां एक ओर देश वासियों के स्वास्थ्य एवं जीवन को जोखिम में डालने का प्रयास किया गया वहीं दूसरी ओर देश के वैज्ञानिकों को भी अपमानित किया गया, यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस विपरीत परिस्थितियों में भी केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वय से कोविड–19 महामारी का प्रबन्धन अतुलनीय रहा। श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी की कर्मभूमि काशी में कोरोना की दूसरी लहर शुरू होने के पहले 10 दिनों में ही इस महामारी पर नियंत्रण पा लिया गया था। 22 अप्रैल से ही संभी अस्पतालों में आक्सीजन की आवश्यकता एवं उपलब्धता सुनिश्चित की जाने लगी थी। जो अगले 10 दिनों में ही सामान्य हो गयी थी। सभी कोविड अस्पतालों में आवश्यक दवाईयां विशेषकर जीवन रक्षक इंजेक्शनों, आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सड़क मार्ग के अलावा ट्रेन एवं हमारे वायु मार्ग, सेना द्वारा भी युद्ध स्तर पर कार्यवाही करते हुए बहुत कम समय में व्यवस्थायें सुदृढ़ हुई एवं महामारी पर काबू पा लिया गया।

हर नागरिक का जीवन हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और उसे बचाना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है किन्तु महामारी के समय कब कैसी जरूरत आयेगी इसका कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता? परन्तु इन सभी बाधाओं के बावजूद दूसरी लहर पर समय रहते काबू पा लिया गया। उ0प्र0 में इस आपदा से प्रभावित अपने अभिभावक को खोने वाले बच्चों को 4 हजार रू0 मासिक सहायता एवं उनके पठन–पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार का योग्य एवं सराहनीय कदम है। तीसरी लहर की आशंका के बीच प्रभावी रोक के लिए भी सरकार तैयार हैं। प्रदेश सरकार द्वारा जनभागीदारी निभाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को नेतृत्व द्वारा गोद लिया जाना, ब्लाक स्तर पर वेंन्टीलेटर और ऑक्सीजन की नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। जिससे हालात सामान्य हो रहे हैं।

टीकाकरण एवं नियंत्रण

हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय टीकाकरण के अभियान में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है मा0 प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व और मा0 मुख्यमंत्री जी की सक्रियता से उ0प्र0 में 3 करोड़ 85 लाख से ज्यादा लोगों को मुफ्त में टीका लग चुका है जो दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है, प्रदेश में साढ़े पांच हजार से ज्यादा स्थानों पर टीकाकरण किया जा रहा है टीकाकरण के मामले में भी प्रतिदिन नये कीर्तिमान बन रहे हैं। इस मुहिम से संभावित तीसरी लहर को रोकने में सहायता मिलेगी।

उत्तम कानून व्यवस्था तथा सुशासन को समर्पित सरकार

पूर्व की प्रदेश सरकारों में कानून व्यवस्था ध्वस्त रही

है विपक्षी सपा, बसपा व कांग्रेस द्वारा आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके कारण सुरक्षा पर खतरे मंडरा रहे हैं। लेकिन भाजपा सरकार ने कानून व्यवस्था के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित किया है। उ0प्र0 सरकार की अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ <u>जीरो टॉलरेन्स</u> की नीति एवं अपराध पर अंकुश लगाने में कारगर रही है। उ0प्र0 सरकार ने संगठित अपराध को समाप्त करने के लिए कड़ा एवं प्रभावी कदम उठाया है। अपराधी जान बचाने के लिए अब अपराधी सीना तानकर चलना भूल गया है। शासन, प्रशासन के समक्ष अब दया की भीख मांगते फिर रहा है। वह उ0प्र0 में संगठित अपराध की कमर टूटने का जीवन्त नमूना सुशासन की बड़ी विजय है।

<u>गरीब कल्याण अन्न योजना</u>

कोविड महामारी की पहली और दूसरी लहर ने नागरिक जीवन को पंगु कर दिया। महामारी की रोकथाम के लिए लॉकडाउन अपरिहार्य हो गया, देश की आर्थिक स्थित पर इसका गंभीर असर पड़ा। करोड़ों नागरिकों की आर्थिक गतिविधियां रूक गयी और रोजी—रोटी का संकट खड़ा है। ऐसे में नागरिकों तक उनकी रोजमर्रा के सामान पहुंचाना बेहद चुनौतीपूर्ण था ऐसे कठिन दौर में मा0 प्रधानमंत्री जी भी इस बात के लिए बहुत संवेदनशील रहे कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। इसका ध्यान रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की घोषणा की। जिसके तहत लगभग 80 करोड़ लोगों तक निःशुल्क राशन पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया, जिसके अन्तर्गत उ0प्र0 में लगभग साढे 14 करोड़ लोगों को भी लाभ मिल रहा है। किसानों की विशेष रूप से किसान निधि की राशि सीधे खाते में पहुंची तो गन्ना बकाया भुगतान व रिकार्ड गेहूँ खरीद हुई। यह हमारे मा0 मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम से ही संभव हो पाया।

यह योजना पिछले वर्ष कोविड की पहली लहर के समय ही शुरू हुई थी जिसे मा0 प्रधानमंत्री जी ने दीपावली तक बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत अन्त्योदय कार्ड धारक परिवारों को 05 किलो ग्राम गेहूं व एक किलो ग्राम दाल राशन मुफ्त दिया जा रहा है यह राशन नियमित रूप से मिलने वाले राशन से भिन्न है, इसका लाभ प्रदेश के 3 करोड़ 55 लाख कार्ड धारकों को प्राप्त हो रहा है।

बढ़ती आबादी के कारण बढ़ रही समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए हमारी सरकार में इसके रोक—थाम के लिए जनसंख्या नियन्त्रण की नीति जारी करने की तैयारी कर रही है ताकि यह प्रदेश उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू सकें।

<u>त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव</u>

अभी हाल में ही हुए पंचायत चुनाव में विजय जन सेवा व कानून के राज के लिए जनता जर्नादन का दिया हुआ आशीर्वाद की परिणीति है, जिला पंचायत अध्यक्ष की 75 में से 67 सीटों पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत, 825 ब्लाक प्रमुखों में से 648 जीते ब्लाक प्रमुखों से भाजपा पंचायतों में जड़ तक मजबूत हुई है। हमने पंचायत जीत दर्ज कर कई मिथक तोड़ दिये है और निश्चित ही यह **''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास''** मूल मंत्र के साथ विकास जनसेवा और कानून के राज के लिए जनता जर्नादन का दिया हुआ विश्वास है मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की नीतियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की परिणीति है पंचायत चुनाव विजय श्री। इस तरह प्रधान से प्रधानमंत्री तक की भूमिका व ग्राम पंचायतों द्वारा लोकसेवा हम सुनिश्चित करेंगे। हम 2022 में सेवा ही संगठन के मूल मंत्र केन्द्र व उ0प्र0 सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों के साथ जनता में जायेंगे। भाजपा सरकार एक ऐसे भारत के निर्माण के संकल्प के साथ सेवारत् है जहां कोई गरीब बेघर ना हों, ना भ्रष्टाचार हो, ना अपराध हो, ना जातिवाद हो, ना संप्रदायवाद हो, ना आतंकवाद हो। इस संकल्प को दोहराते हुए लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पथ अंत्योदय की प्रेरणा लें हम संगठन सेवा के माध्यम से जनसेवा की साधना को सभी कार्यकर्ता मिलकर पूरा करेंगे और आगामी दिनों में आने वाले चुनावों में हम जनता की सेवा के लिए भारी समर्थन जुटाएगें। उ0प्र0 प्रदेश कार्यसमिति की यह बैठक देश के प्रधान सेवक मा0 नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन एवं मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कुशल मार्गदर्शन में चल रही विकास की इस धारा को प्रवाह मान करने के लिए इनका हृदय से आभार व्यक्त कर रही है एवं प्रदेश के लोकप्रिय सरकार को इस प्रदेश को जंगलराज से निकालकर सर्वोत्तम प्रदेश बनाने की परिश्रम एवं पहल के लिए धन्यवाद देती है।

।। भारत माता की जय।।

विकास के आइने में उत्तर प्रदेश बना देश का लीडिंग स्टेट : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 जुलाई 2021 शुक्रवार को उत्तर प्रदेश भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को वर्चुअली संबोधित किया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की सराहना करते हुए नकारात्मक राजनीति करने के लिए विपक्ष पर जम कर प्रहार किया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्रदेव सिंह, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश प्रभारी श्री राधामोहन सिंह, उप–मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप–मुख्यमंत्री श्री दिनेश शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल सहित वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी, मंत्री और कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित थे जबकि दिल्ली में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी से सांसद श्रीमती स्मृति ईरानी, केंद्रीय मंत्री श्री महेंद्र नाथ पांडेय एवं केंद्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह के साथ–साथ कई केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, पदाधिकारी एवं कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम एवं लीलाधारी श्रीकृष्ण का पुण्य स्मरण करते हुए ब्रह्मर्षि वशिष्ठ, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, महामुनि बाल्मीकि और महामुनि भारद्वाज की धरती उत्तर प्रदेश को नमन किया। उन्होंने स्पिरिचुअल कैपिटल आफ इंडिया अविमुक्त क्षेत्र काशी को भी नमन करते हुए अपने उद्बोधन का शुभारंभ किया।

उत्तर प्रदेश देश का लीडिंग स्टेट

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज विकास के एक्सप्रेस–वे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास रूपी परिवर्तन की बयार चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने नेतृत्व से उत्तर प्रदेश के विकास को नई दृष्टि और दिशा दी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अंधेरे के बिना उजाले की कीमत पता नहीं चलती। पहले क्या नुकसान हो गया है, यदि वह याद न रहे तो फायदे का पता नहीं चलता। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के जाल में जकड़ा हुआ था। जातिवाद, भाई–भतीजावाद, अत्याचार और अनाचार ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद करके रख दिया था लेकिन पिछले चार वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश **'लीडिंग स्टेट आफ कंट्री'** के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में हालिया संपन्न जिला परिषद् और ब्लाख प्रमुखों के चुनाव में भाजपा की भव्य जीत पर बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि जिला परिषद् के चुनाव में भाजपा को 75 में से जहां 67 सीटें मिली जबकि ब्लाक प्रमुखों की 825 सीट में से 648 सीटों पर भाजपा की शानदार विजय हुई। भाजपा को पश्चिम क्षेत्र में 85, ब्रज क्षेत्र में 112, कानपुर क्षेत्र में 90, अवध क्षेत्र में 136, काशी क्षेत्र में 109 और गोरखपुर क्षेत्र में 147 सीटों पर जीत मिली। मैं इस भव्य जीत के लिए उत्तर प्रदेश की भाजपा इकाई, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार और पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। इस चुनाव में एक बार फिर उत्तर प्रदेश की जनता ने सपा, बसपा और कांग्रेस को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें घर बैठने का संदेश दिया जबकि भाजपा को काम करने का।

कोविड मैनेजमेंट

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना के सामने पूरी दुनिया ने एक तरह से घुटने टेक दिए जबकि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने समय पर साहसिक निर्णय लेते हुए 130 करोड़ देशवासियों की रक्षा की। उन्होंने न

केवल देशवासियों को कोरोना वायरस के प्रकोप से बचाया बल्कि देश के गरीब लोगों की भी चिंता की और देश के अर्थचक्र को भी गतिशील किया। उन्होंने समय पर लाकडाउन लगा कर देश को कोरोना के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार किया। कोरोना की शुरुआत में जहां देश में केवल एक ही टेस्टिंग लैब हुआ करती थी, वही आज देश में 2500 टेस्टिंग लैब्स हैं। पहले जहां हमारी क्षमता केवल 1500 टेस्टिंग प्रतिदिन की थी, वहीं आज 25 लाख प्रतिदिन की है। आज आइसोलेशन बेड्स, आईसीयू बेड्स और ऑक्सीजन बेड्स की कहीं कोई कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार ने टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट की रणनीति के सहारे काफी सराहनीय काम किया है। प्रदेश में अब तक 5.70 करोड़ सैम्पल की टेस्टिंग हुई है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। आज यूपी में औसतन डेढ़ लाख टेस्टिंग प्रतिदिन हो रही है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 1,260 टेस्टिंग सेंटर काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के कोविड मैनेजमेंट की चर्चा देश में ही नहीं, विदेश में भी हो रही है। अभी हाल ही में आस्ट्रेलिया के एक सांसद ने भी उत्तर प्रदेश और योगी आदित्यनाथ जी के कोविड मैनेजेमेंट की चर्चा करते हुए कहा कि यदि योगी आदित्यनाथ जी जैसा नेता हमें मिला होता तो हम अपनी स्थिति कहीं अच्छे से संभाल पाते। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी वाराणसी में हमारे मुख्यमंत्री जी की योजनाओं और नीतियों की जम कर सराहना की है।

आक्सीजन मैनेजमेंट

श्री नड्डा ने कहा कि कोरोना से बचाव में मेडिकल आक्सीजन की बड़ी भूमिका सामने आई है। कोरोना की लहर आने से पहले देश में लगभग 300 मीट्रिक टन आक्सीजन का उत्पादन हुआ करता था जिसे हमारी केंद्र सरकार ने पिछले साल अप्रैल में बढ़ा कर 900 मीट्रिक टन पहुंचाया था। दूसरी लहर में जब ऑक्सीजन की अधिक जरूरत महसूस हुई तो प्रधानमंत्री जी के निर्देशन में केवल एक सप्ताह में देश में आक्सीजन का उत्पादन बढ़ कर 9,446 मीट्रिक टन हो गया। ये है हमारे देश की ताकत। न केवल आक्सीजन का उत्पादन बढ़ा बल्कि जल, थल और नभ से हर जगह इसकी आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई। हम सबने देखा कि उस वक्त किस तरह से विपक्ष द्वारा राजनीति की जा रही थी। दिल्ली में जहां केवल 400 मीट्रिक टन आक्सीजन की ही आवश्यकता थी, वहां 900 मीट्रिक टन आक्सीजन मांगे जा रहे थे और उलटे कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया जा रहा था। जांच के बाद सारा दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। आक्सीजन टैंकर्स, सिलिंडर्स और क्रायोजेनिक टैंक्स की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ। पीएम केयर्स फंड से देश भर में लगभग हर जिले में 1500 पीएसए बेस्ड आक्सीजन जेनरेशन प्लांट्स लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 75 जिलों में 81 प्लांट्स लगने जा रहे हैं। मैं उत्तर प्रदेश के भाजपा सांसदों, विधायकों एवं अन्य सभी जन–प्रतिनिधियों से निवेदन करता हूँ कि वे इसे अपना कार्यक्रम मानते हुए इसे लगाने में अपना सहयोग दें। उत्तर प्रदेश में कुल मिलाकर 416 आक्सीजन जेनरेशन प्लांट्स लगने वाले हैं जिसमें से 300 पर काम चल रहा है।

वैक्सीनेशन

वैक्सीनेशन पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पहले किसी बीमारी की वैक्सीन भारत आने में वर्षों लग जाते थे। चाहे टीबी की दावा हो, चिकन पाक्स या स्माल पाक्स की दवा हो या फिर पल्स पोलियो की–हम सबने देखा है कि कितने कितने सालों की प्रतीक्षा के बाद भारत में वैक्सीन आ पाती थी लेकिन इस बार जब कोरोना ने दुनिया में दस्तक दी तो पिछले वर्ष अप्रैल में ही प्रधानमंत्री जी ने वैक्सीन के लिए टास्क फोर्स का गठन कर दिया था। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से 9 महीने में ही दो–दो मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन बन कर तैयार हुई और इसका रोल–आउट भी शुरू हुआ। जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन के जरिये देश में नई उम्मीदें जगा रहे थे, देशवासियों को गर्व करने का अवसर दे रहे थे, कोविड को परास्त करने के लिए दिन–रात एक कर रहे थे, वहीं कुछ विपक्षी नेता हमारे वैज्ञानिकों और हमारे वैक्सीन पर ही सवाल उठा रहे थे। कोई विपक्षी नेता देशवासियों के लिए गिनी पिग्स और रैट्स जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहा था तो कोई वैक्सीन की गुणवत्ता पर ही सवालिया निशान लगा रहा था। उत्तर प्रदेश के एक विपक्षी नेता ने तो कोविड वैक्सीन को 'बीजेपी की वैक्सीन' बता दिया था। यह बात दीगर है कि उनके पिताजी ने ही कोविड वैक्सीन लगवाई और फिर बेटे ने भी वैक्सीन लगवाई।

बीजेपी की वैक्सीन बता कर उस विपक्षी नेता ने अपना स्तर ही बताया है। इनके चश्मे और इनका फ्रेम कितना छोटा है कि एक ओर देश के प्रधानमंत्री वैक्सीन निर्माण और उसके रोल–आउट के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं, वहीं दूसरी ओर ये देश को भी बदनाम करने की साजिश रचते हैं। जिनकी इतनी छोटी सोच हो, वे उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रदेश और देश को दिशा देने वाले प्रदेश को संभालेंगे! ऐसे लोगों को उत्तर प्रदेश की जनता ने मुंहतोड़ जवाब है, आगे भी इसी तरह का जवाब देगी।

कृषि कल्याण

2014 से पहले देश का कृषि बजट जहां केवल 1.21 लाख करोड़ रुपये था, आज वह बढ़ कर लगभग 2.11 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कृषि सम्मान निधि के तहत अब तक लगभग 10 करोड़ से अधिक किसानों को 1.36 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। कृषि सम्मान निधि के तहत उत्तर प्रदेश में भी लगभग 2.80 करोड़ किसानों को लगभग 52,000 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिल चुकी है। किसान सम्मान मानधन योजना के तहत किसानों के लिए तीन हजार रुपये मासिक पेंशन की व्यवस्था की जा रही है। खाद की प्रति बोरी पर हमारी केंद्र सरकार द्वारा 1,200 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। सब्सिडी के बाद 2400 रुपये की बोरी किसानों को महज 1,200 रुपये में ही मिलती रहेगी। अब तक 22 करोड़ स्वायल हेल्थ कार्ड बन चुके हैं। इसी तरह स्वामित्व कार्ड से भी किसानों और ग्रामीण लोगों का कल्याण हो रहा है। अब तक 7 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में बदलाव की कहानी

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पहले 'बीमारु राज्य की चर्चा होती थी जिसमें बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का नाम आता था। हमें इस श्रेणी से राज्यों को बाहर निकाल कर विकास के पथ पर अग्रसर किया है।

2014 में उत्तर प्रदेश का बजट 2 लाख करोड़ रुपये का था, आज यह 5.5 लाख करोड़ रुपये का है। 2014 में वैट कलेक्शन लगभग 12,000 करोड़ रुपये का था जो आज बढ़ कर लगभग 49 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार आने से पहले देश के जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 10.90 लाख करोड़ रुपये का हुआ करता था जो आज बढ़ कर 21.73 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ईज आफ डूइंग बिजनेस में आज उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर आ गया है। 2014–15 में यूपी की पर कैपिटा इनकम 47,116 रुपये थी जो आज बढ़ कर 94,495 रुपये हो गई है। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हो रहा है। अगले चार महीने में ही लगभग 90 हजार युवाओं को रोजगार दे दिए जाने की संभावना है। पिछले चार वर्षों में उत्तर प्रदेश में एक भी दंगे नहीं हुए। पहले एक्सप्रेस और उत्तर प्रदेश पहले कहीं मेल नहीं खाते थे लेकिन आज हर तरफ प्रदेश में एक्सप्रेस–वे का जाल बिछाया जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे, गंगा एक्सप्रेस हाइवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे, बलिया लिंक एक्सप्रेस सहित कई मार्गों पर काम चल रहा है। रोड कनेक्टिविटी और एयर कनेक्टिविटी में प्रदेश ने काफी बड़ी छलांग लगाई है। फिल्म सिटी का काम जोर–शोर से चल रहा है। उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में प्रतिष्ठित हो रहा है। मेक इन इंडिया, वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं से राज्य का कायाकल्प हो रहा है। उद्योगों के विकास के लिए 56,754 छोटे उद्यमियों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 2,000 करोड़ रुपये की मदद दी गई है।

विपक्ष पर हमला करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राजनीति के जो पॉलिटिकल टूरिस्ट हैं, ये पॉलिटिक्स को भी टूरिज्म की तरह ही देखते हैं कि जब मेरा मौसम आयेगा तो मेरी रहगी, तुम्हारा मौसम आयेगा तो तुम्हारी चलेगी। ये सत्ता में सेवा के लिए नहीं आते। यह भारतीय जनता पार्टी है जिसके के लिए सत्ता, जनता की सेवा का एक माध्यम है। हमारा एक ही मंत्र है सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। अपना एजेंडा थोपने का काम भारतीय जनता पार्टी के नक्शे में नहीं है। भाजपा के नक्शे में एक ही काम है और वह है – देश का विकास और जनता की सेवा। यह हमारा सौभाग्य है कि कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी जी हमारे प्रधानमंत्री हैं जो दिन–रात, अहर्निश राष्ट्र सेवा में लगे हुए हैं। यह भाजपा कार्यकर्ताओं की, हम सबकी जिम्मेवारी है कि उनके कार्यों को हम जमीन पर उतारें में अपनी–अपनी भूमिका निभाएं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक केंद्र की जनोपयोगी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

सम सामयिक

पश्चिम उत्तर प्रदेश में बनता इस्लामिक गलियारा

हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय

केन्द्रीय जॉच एजेंसियों ने 17 जून को बिहार के दरभंगा स्टेशन पर पार्सल बम विस्फोट मामले में हैदराबाद के रहने वाले इमरान और नासिर को उत्तर प्रदेश के शामली से गिरफ्तार किया है। इन दोनों भाइयों को शामली के रहने वाले सलीम ने ट्रेनिंग दिया है। बिहार के दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी और उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ मॉड्यूल की चर्चा तो पहले से हो रही थी लेकिन, अब इसमें नया नाम शामली का जुड़ गया है।

इस्लामिक षड्यंत्रकारियों द्वारा उत्तर भारत में एक मुस्लिम पट्टी या गलियारा तैयार करने की योजना है ताकि बांग्लादेश और पाकिस्तान को आपस में जोड़ा जा सके। यह गलियारा प0 बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा होते हुए पाकिस्तान से मिलेगा। इस गलियारे में मुस्लिम आबादी बढ़ाने के लिये घुसपैठियों को लाकर बसाने का काम योजनाबद्ध ढंग से किया जा रहा है। ये घुसपैठिये कहॉ आये–कहॉ बसे?–इसके लिये जमीन खरीद कर मदरसे–मस्जिदें बनायी गयी हैं। इन जगहों पर आतंकवादियों को संरक्षण भी दिया जा रहा है।,जिस क्षेत्र में इस्लाम मतावलंबी निर्णायक हो जाते हैं वहॉ भय का ऐसा वातावरण तैयार होता है जिससे गैर मुसलमान पलायन करने लगें। साल दर साल से चल रही इस रणनीति का परिणाम है कि अब गलियारा वाला ड्यंत्र सफल हो रहा है।

बांग्लादेश से असम में आये मुस्लिम घुसपैठियों के खिलाफ असम में चले जन आंदोलन के बाद इस्लामिक षड्यंत्रकारियों ने घुसपैठियों को प0बंगाल–उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में भेजना शुरु किया। प0बंगाल में शासकीय एवं भाषायी अनुकूलता के कारण उनका विरोध न होना तो एक प्रकार से समझ में आता है पर उत्तर प्रदेश में 2000 के दशक में इस षडयंत्र की अनदेखी क्यों हुई–यह समझ से परे नहीं है।

1981 के पहले उत्तर प्रदेश में मुस्लिम जनसंख्या बृद्धि दर राष्ट्रीय दर से कम रहता था

1951–61 के बीच बढ़ोतरी	
राष्ट्रीय औसत	**उत्तर प्रदेश**
32..54 प्रतिशत	19.48 प्रतिशत
1961–71 के बीच बढ़ोतरी	
31.2 प्रतिशत	26.77 प्रतिशत
1971–81 के बीच बढ़ोतरी	
30.8 प्रतिशत	29.10 प्रतिशत
1981–91 के बीच बढ़ोतरी	
32.9 प्रतिशत	36.53 प्रतिशत

मुस्लिम बृद्धि भी पूरे उत्तर प्रदेश में एक समान नहीं बल्कि मुस्लिम पट्टी वाले जिलों में ज्यादा हुई थी यथा मुजफफरनगर (50.14), मुरादाबाद (46.77), बरेली (50.13), सीतापुर (129.66), हरदोई (40.14), बहराइच (49.17) तथा गोंडा (42.20)। इसी तरह से हरियाणा में भी मुस्लिम जनसंख्या बृद्धि दर में अप्रत्याशित(1981–91 में 45.88 तो 1991–2001 में

60.11) बृद्धि दर्ज की गयी है ।
मुस्लिम जनसंख्या में बृद्धि के अलावा अघोषित रुप देश में आज भी जिन्ना वाला डायरेक्ट एक्शन प्लान चल रहा है। इसी प्लान के तहत कश्मीर घाटी से 1990 में लाखों हिन्दू पलायन को बाध्य हुए। प. बंगाल में भी मतुआ समाज को पलायन करना पड़ रहा है। 1961–71 में बिहार के कटिहार जिला के मुस्लिम बहुल्य बारसोई प्रखण्ड में हिन्दू बढ़ने के बदले घट गए हैं कुछ ऐसी ही स्थिति उत्तर प्रदेश के शामली में हुई है।
2001–2011 में प0बंगाल के मुर्शीदाबाद जिले के भगवान गोला सबडिबीजन तथा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के शामली सब डिबीजन में भी हिन्दु जनसंख्या 10 वर्ष के बाद भी बढ़ने के बदले कम हो गयी है। कुछ वर्ष पूर्व जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश विशेषकर कैराना से हिन्दूओं के पलायन की बात उठी थी तो वोट के सौदगरों ने उसका खंडन किया जबकि सचाई यह है कि विगत जनगणना में कैराना में हिन्दू जनसख्या बृद्धि दर राष्ट्रीय से आधा यानी 9.19 प्रतिशत तथा मुस्लिम जनसंख्या बृद्धि दर हिन्दू से तीन गुना यानी 29.81 प्रतिशत था। 2001–2011 के बीच प. बंगाल से तो एक अनुमान के अनुसार लगभग 35 लाख हिन्दूओं का पलायन हुआ है।
जिस इलाके में मुस्लिम जनसंख्या 30 प्रतिशत हो जाती है वहां गैर मुस्लिम– मुसलमानों से प्रताड़ित होने लगते है। जिस बाबा साहब आंबेडकर का नाम लेकर संविधान के सेकुलरवाद की बात कही जाती है उसी बाबा साहब ने पाकिस्तान अथवा भारत का विभाजन नामक पुस्तक में जनसंख्या स्थानातंरण के साथ ही साथ पृष्ठ 332 पर यह भी कहा है कि है इस्लाम का भातृत्व–भाव मानवता का भातृत्व भाव नहीं मुसलमानों का मुसलमानों से ही भात्त्व–भाव है। मुसलमानों की निष्ठा,जिस देश में वे रहते हैं, उसके प्रति नहीं होती बल्कि वह उस धार्मिक विश्वास पर निर्भर करती है जिसका कि वे एक हिस्सा है। मुसलमानों की यही मनोवृति बांग्लादेशी घुसपैठियों या मुस्लिम आतंकियों को संरक्षण प्रदान करती है।
आजाद भारत के नये जिन्ना बन रहे हैदरावाद वाले ओवैसी के हैदराबाद की स्थिति कश्मीर घाटी से कम नही है। 2001 की जनगणना में हैदरावाद में हिन्दू जनसंख्या 2121963 थी जो 2011 में बढ़ने के बदले घटकर 2046051 रह गयी यानी हैदराबाद शहर से हिन्दुओं का पलायन हुआ। ओवैसी पूरे देश को हैदरावाद बनाने के अपने मिशन पर निकले हैं। बिहार के सीमावर्ती जिले में जैसे ही इन्हं राजनैतिक सफलता मिली वैसे ही वहाँ कश्मीर घाटी को दोहराने की शुरुआत हो गयी। बिहार के पूर्णिया जिला का वायसी विधानसभा एक मुस्लिम बहुल्य विधानसभा है जहाँ से इस बार ओवैसी के पार्टी के उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। इसी वर्ष मई में उसी वायसी विधानसभा में दलितों की बस्ती को मुसलमानों के एक समूह ने आकर जला दिया।
मुस्लिम बहुल्य इलाकों से हिन्दू पलायन को इसलिये बाध्य हो रहा है क्योंकि उसे अपनी सुरक्षा को लेकर विश्वास नही है। अविश्वास का कारण है 3 दशक बाद भी विस्थापित कश्मीरियों को उनके अपने घर सुरक्षित रुप से वापस भेजने में नाकाम होना।
उत्तरप्रदेश में मुस्लिम घुसपैठ और मुस्लिम प्रभावित क्षेत्रों से हिन्दुओं के पलायान के बाद अब हिन्दूओं को मुसलमान बनाने के षडयंत्र का भी पर्दाफास हो गया है। इस षडयंत्र के तार पाकिस्तान के साथ ही साथ अन्य मुस्लिम देशों से भी जुड़ रहे है। इस्लामिक ताकते घुसपैठ और हिन्दू पलायन के साथ ही साथ प्रस्तावित गलियारे में आतंकवाद को बढ़ावा दे रही है। ध्यान रहे कि 2005 में अयोध्या, 2006 में काशी, 2007 में एक ही दिन लखनऊ, और काशी में विस्फोट हुए थे।
पाकिस्तान की आई0एस0आई0 नेपाल के रास्ते उत्त प्रदेश, बिहार और प0बंगाल में सक्रिय है। जून 2000 में एक राष्ट्रीय पत्रिका ने भारत नेपाल सीमा पर तेजी से बन रहे मदरसों और मस्जिदों से सावधान रहने की चेतावनी दी थी। ये मदरसे और मस्जिदें ऐसे जगह पर बनायी गईं है जहाँ से भारत की सामरिक तैयारियों पर न केवल नजर रखी जाती है बल्कि अपने आकाओं के इशारे पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में भी डाला जा रहा है।

(लेखक बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य हैं)

केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार

जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे: नरेन्द्र मोदी

केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार सात जुलाई को संपन्न हुआ। 43 नये चेहरे सरकार का हिस्सा बने। सात राज्यमंत्रियों को पदोन्नत कर मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। कुल 15 सदस्यों को कैबिनेट मंत्री और 28 को राज्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई। आठ नए चेहरों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया।

जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें 26 लोकसभा के सदस्य हैं जबकि आठ राज्यसभा से हैं। सात महिलाओं को इस मंत्रिपरिषद विस्तार में जगह दी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी को मिलाकर अब केंद्रीय मंत्रिपरिषद में महिला मंत्रियों की कुल संख्या नौ हो गई है। प्रधानमंत्री ने इस विस्तार में त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों को भी जगह दी है।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए सभी 43 सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अलावा उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू, लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर मौजूद थे।

कुल 12 मंत्रियों के इस्तीफे के बाद अब केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संख्या प्रधानमंत्री सहित 78 हो गई। प्रधानमंत्री के रूप में मई, 2019 में 57 मंत्रियों के साथ अपना दूसरा कार्यकाल आरंभ करने के बाद श्री मोदी ने पहली बार केंद्रीय मंत्रिपरिषद विस्तार किया है।

कैबिनेट मंत्री के रूप में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य श्री भूपेंद्र यादव, असम के पूर्व मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ से सांसद श्री वीरेंद्र कुमार, ओडिशा से भाजपा के राज्यसभा सदस्य श्री अश्विनी वैष्णव, मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र से राज्यसभा के सदस्य श्री नारायण राणे, जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह और लोक जनशक्ति पार्टी के श्री पशुपति कुमार पारस ने शपथ ली।

इनके अलावा सर्वश्री किरेन रिजिजू, राजकुमार सिंह, हरदीप सिंह पुरी और मनसुख भाई मांडविया ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। इन चारों नेताओं को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) से पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया।

श्री रिजिजू इससे पहले युवक कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे और श्री सिंह पहले विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे, जबकि श्री पुरी आवासन तथा शहरी विकास और नागर विमानन मंत्रालय में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे। श्री मांडविया बंदरगाह, पोत और जलमार्ग परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे।

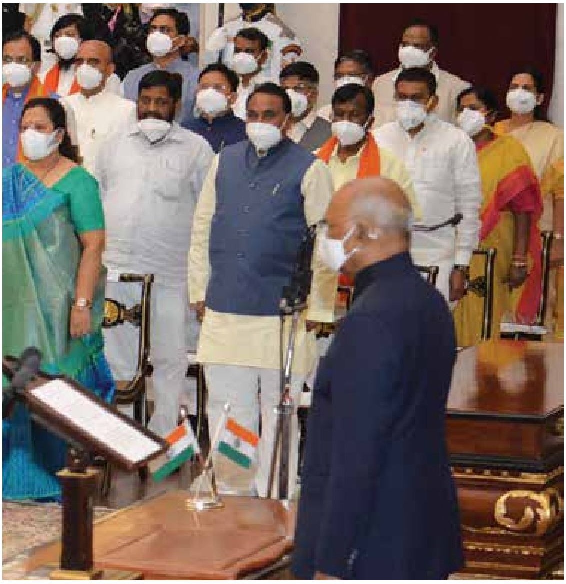

मैं उन सभी सहकर्मियों को बधाई देता हूं, जिन्होंने आज शपथ ग्रहण की और उन्हें मंत्री के रूप में उनके बेहतर कार्यकाल की शुभकामनाएं देता हूं। हम सब जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये काम जारी रखेंगे तथा मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले सभी नवनियुक्त मंत्रियों को हार्दिक बधाई! मुझे विश्वास है कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आप सभी देश के विकास को गति देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करेंगे।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

जिन राज्यमंत्रियों को पदोन्नत करके सीधे कैबिनेट मंत्री बनाया गया उनमें श्री पुरूषोत्तम रूपाला, श्री जी. किशन रेड्डी और श्री अनुराग सिंह ठाकुर शामिल हैं। श्री रूपाला इससे पहले कृषि राज्यमंत्री थे जबकि श्री रेड्डी गृह राज्यमंत्री और श्री ठाकुर वित्त राज्यमंत्री थे।

राज्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में उत्तर प्रदेश के मोहनलालगंज से भाजपा के सांसद श्री पंकज चौधरी, अपना दल (एस) की श्रीमती अनुप्रिया पटेल, आगरा के सांसद श्री एस. पी. सिंह बघेल, कर्नाटक से भाजपा के राज्यसभा सदस्य श्री राजीव चंद्रशेखर, कर्नाटक के ही उडुपी चिकमंगलूर से सांसद सुश्री शोभा करंदलाजे, उत्तर प्रदेश के जालौन से पांचवीं बार के सांसद श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, गुजरात के सूरत की सांसद श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश, नयी दिल्ली की सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, झारखंड के कोडरमा की सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, कर्नाटक के चित्रदुर्ग के सांसद श्री ए. नारायणस्वामी, उत्तर प्रदेश के मोहनलाल गंज से सांसद श्री कौशल किशोर, उत्तराखंड के नैनीताल – ऊधम सिंह नगर से सांसद, श्री अजय भट्ट, उत्तर प्रदेश के ही खीरी से सांसद श्री अजय मिश्रा, उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य श्री बी. एल. वर्मा, गुजरात के खेड़ा से सांसद श्री देवुसिंह चौहान, कर्नाटक के बीदर से सांसद श्री भगवंत खूबा, महाराष्ट्र के भिवंडी से सांसद श्री कपिल पाटिल, पश्चिम त्रिपुरा की सांसद सुश्री प्रतिमा भौमिक, पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा से सांसद श्री सुभाष सरकार, महाराष्ट्र से राज्यसभा के सदस्य श्री भागवत कराड, मणिपुर के सांसद श्री राजकुमार रंजन सिंह, महाराष्ट्र के ही दिन्डोरी से सांसद डॉ. भारती प्रवीण पवार, ओडिशा के मयूरभंज से सांसद श्री विश्वेश्वर टुडु, पश्चिम बंगाल के बनगांव के सांसद श्री शांतनु ठाकुर, गुजरात के सुरेंद्रनगर से सांसद श्री मुंजापरा महेंद्र भाई, पश्चिम बंगाल के अलीद्वारपुर से सांसद श्री जॉन बारला, तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष श्री एल. मुरुगन और पश्चिम बंगाल के कूचबिहार से सांसद श्री निसिथ प्रमाणिक शामिल हैं।

नवगठित सहकारिता मंत्रालय का प्रभार केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को दिया गया। श्री राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री और श्री एस. जयशंकर पूर्व की भांति अपने–अपने मंत्रालयों का कार्यभार देखते रहेंगे। श्री सिंधिया को नागर विमानन मंत्रालय, श्री नारायण राणे को लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमिता मंत्रालय तथा श्री सर्बानंद सोनोवाल को पोत, जहाजरानी, जलमार्ग एवं आयुष मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया। श्री वीरेन्द्र सिंह को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का प्रभार दिया गया। वहीं, जदयू अध्यक्ष श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह को इस्पात मंत्रालय दिया गया। श्री अश्विनी वैष्णव को रेल, संचार तथा इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया, जबकि श्री पशुपति कुमार पारस को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का प्रभार दिया गया। श्री किरण रिजिजू को विधि एवं न्याय मंत्रालय, श्री भूपेन्द्र यादव को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया। श्री धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा तथा कौशल एवं उद्यमिता मंत्रालय, श्री हरदीप सिंह पुरी को पेट्रोलियम, शहरी विकास एवं आवासन मंत्रालय, श्री अनुराग ठाकुर को सूचना प्रसारण मंत्रालय और युवा एवं खेल मंत्रालय का प्रभार दिया गया।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री और इन मंत्रालयों का : कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री

1. **श्री राजनाथ सिंह**
   रक्षा मंत्री

2. **श्री अमित शाह**
   गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री

3. **श्री नितिन जयराम गडकरी**
   सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

4. **श्रीमती निर्मला सीतारमण**
   वित्त मंत्री और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री

5. **श्री नरेंद्र सिंह तोमर**
   कृषि और किसान कल्याण मंत्री

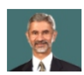

6. **डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर**
   विदेश मंत्री

7. **श्री अर्जुन मुंडा**
   जनजातीय मामलों के मंत्री

8. **श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी**
   महिला एवं बाल विकास मंत्री

9. **श्री पीयूष गोयल**
   वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री और कपड़ा मंत्री

10. **श्री धर्मेंद्र प्रधान**
    शिक्षा मंत्री और कौशल विकास, उद्यमिता मंत्री

11. **श्री प्रल्हाद जोशी**
    संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री और खान मंत्री

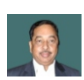

12. **श्री नारायण तातु राणे**
    सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

13. **श्री सर्बानंद सोनोवाल**
    पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री और आयुष मंत्री

14. **श्री मुख्तार अब्बास नकवी**
    अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री

15. **डॉ. वीरेंद्र कुमार**
    सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री

16. **श्री गिरिराज सिंह**
    ग्रामीण विकास मंत्री और पंचायती राज मंत्री

17. **श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया**
    नागरिक उड्डयन मंत्री

18. **श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह**
    इस्पात मंत्री

19. **श्री अश्विनी वैष्णव**
    रेल मंत्री, संचार मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

20. **श्री पशुपति कुमार पारस**
    खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री

21. **श्री गजेंद्र सिंह शेखावत**
    जल शक्ति मंत्री

22. **श्री किरेन रिजिजू**
    कानून और न्याय मंत्री

23. **श्री राज कुमार सिंह**
    विद्युत मंत्री और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

24. **श्री हरदीप सिंह पुरी**
    पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्री

25. **श्री मनसुख मंडाविया**
    स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन व उर्वरक मंत्री

26. **श्री भूपेंद्र यादव**
    पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री

27. **श्री महेंद्र नाथ पांडेय**
    भारी उद्योग मंत्री

28. **श्री परशोत्तम रूपाला**
    मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

29. **श्री जी. किशन रेड्डी**
    संस्कृति मंत्री, पर्यटन मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

30. **श्री अनुराग सिंह ठाकुर**
    सूचना और प्रसारण मंत्री तथा युवा मामले और खेल मंत्री

केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1. राव इंद्रजीत सिंह
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री

2. डॉ. जितेंद्र सिंह
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

1. श्री श्रीपद येसो नाइक
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री और पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री

2. श्री फग्गन सिंह कुलस्ते
इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

3. श्री प्रहलाद सिंह पटेल
जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

4. श्री अश्विनी कुमार चौबे
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री

5. श्री अर्जुन राम मेघवाल
संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री

6. जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री

7. श्री कृष्ण पाल
विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री और भारी उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

8. श्री दानवे रावसाहेब दादाराव
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री, कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री

9. श्री रामदास आठवले
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

10. साध्वी निरंजन ज्योति
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्रालय

11. डॉ. संजीव कुमार बालियान
मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री

12. श्री नित्यानंद राय
गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

13. श्री पंकज चौधरी
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री

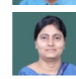

14. श्रीमती अनुप्रिया सिंह पटेल
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

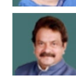

15. प्रो. एस. पी. सिंह बघेल
विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री

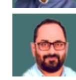

16. श्री राजीव चंद्रशेखर
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में राज्य मंत्री औरइलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री

17. सुश्री शोभा करंदलाजे
कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

18. श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री

19. श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश
कपड़ा मंत्रालय में राज्य मंत्री और रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री

20. श्री वी. मुरलीधरन
विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

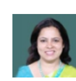

21. श्रीमती मीनाक्षी लेखी
विदेश मंत्रालय में राज्यमंत्री और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री

22. श्री सोम प्रकाश
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

23. श्रीमती रेणुका सिंह सरुता
जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री

केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार

24. श्री रामेश्वर तेली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री और श्रम और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री

25. श्री कैलाश चौधरी

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

26. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

27. श्री ए. नारायणस्वामी

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

28. श्री कौशल किशोर

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री

29. श्री अजय भट्ट

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री और पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री

30. श्री बी. एल. वर्मा

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

31. श्री अजय कुमार

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

32. श्री देवुसिंह चौहान

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री

33. श्री भगवंत खुबा

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री और रसायन व उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

34. श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल

पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री

सुश्री प्रतिमा भौमिक

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

35. डॉ. सुभाष सरकार

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

36. डॉ. भागवत किशनराव कराड

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री

37. डॉ. राजकुमार रंजन सिंह

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री और शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

38. डॉ. भारती प्रवीण पवार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

39. श्री बिश्वेश्वर टुडू

जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री और जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री

40. श्री शांतनु ठाकुर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री

41. डॉ. मुंजापारा महेंद्रभाई

महिला और बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और आयुष मंत्रालय में राज्य मंत्री

42. श्री जॉन बारला

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री

43. डॉ. एल. मुरुगन

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री

44. श्री निसिथ प्रमाणिक
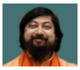
गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री और युवा मामले और खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने जताया आभार

मोदी सरकार 2.0 मंत्रिपरिषद विस्तार में 35 प्रतिशत मंत्रियों को ओबीसी वर्ग (पिछड़ा वर्ग) से प्रतिनिधित्व मिला। 27 ओबीसी मंत्रियों को शामिल किया गया जो आज तक सबसे अधिक प्रतिनिधित्व साबित हुआ, जिसमें 5 कैबिनेट मंत्री एवं 21 राज्यमंत्री एवं एक स्वतंत्र प्रभार मंत्री के रूप में शामिल हुए। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में ओबीसी वर्ग को समुचित प्रतिनिधित्व देने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड

पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के तौर पर ली शपथ

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री पुष्कर सिंह धामी ने चार जुलाई, 2021 को देहरादून में उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। श्री धामी उत्तराखंड में सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री हैं। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ 11 और विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें सर्वश्री सतपाल महाराज, हरक सिंह रावत, बंसीधर भगत, यशपाल आर्या, बिशन सिंह चौपाल, सुबोध उनियाल, धन सिंह रावत, अरविंद पांडे, गणेश जोशी, सुश्री रेखा आर्या और स्वामी यतीश्वरानंद शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों को भी बधाई दी। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री पुष्कर सिंह धामी और शपथ लेने वाले अन्य सभी मंत्रियों को बधाई। इस टीम को उत्तराखंड की प्रगति और समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए शुभकामनाएं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री धामी को बधाई देते हुए ट्वीट कर कहा कि श्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में प्रदेश के विकास को नई ऊर्जा मिलेगी व प्रदेश में प्रगति के नये मापदंड स्थापित होंगे।

शपथ लेने के बाद श्री धामी ने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर बनाए रखने के लिए **'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'** के मूल मंत्र पर राज्य सरकार काम करेगी। अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा कि मैं युवाओं के बीच काम कर रहा हूं और मैं उनके मुद्दों को अच्छी तरह समझता हूं। कोविड ने उनकी आजीविका को प्रभावित किया है। हम उनके लिए स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे और राज्य में रिक्त पदों पर युवाओं को नियुक्त करने का प्रयास करेंगे।

जीवन परिचय

पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री

आयु: 45 वर्ष

राजनीतिक यात्रा

1990: **अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हुए**

2001- 2002: **तत्कालीन मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी के विशेष कार्य अधिकारी**

2002-2008: **भाजपा के उत्तराखंड युवा मोर्चा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया**

2012: **खटीमा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक निर्वाचित; 2017 में फिर से चुने गए**

2016: **प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नियुक्त**

4 जुलाई, 2021 **को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली**

महिला मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जन जाति मोर्चा सूची

महिला मोर्चा पदाधिकारी

प्रदेश अध्यक्ष :– श्रीमती गीता शाक्य

प्रदेश उपाध्यक्ष :– डॉ. निवेदिता श्रीवास्तव, श्रीमती प्रिया अग्रवाल, श्रीमती रीता शास्त्री, श्रीमती कल्पना तिवारी, श्रीमती अस्मिता चन्द्र ठाकुर, श्रीमती दीक्षा गंगवार, श्रीमती बबीता चौहान, श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत।

प्रदेश महामंत्रीः– श्रीमती रश्मि रावल, श्रीमती उशा मौर्या, डॉ. कृतिका अग्रवाल।

प्रदेश मंत्रीः– श्रीमती दीक्षा माहेश्वरी, श्रीमती रूचि गर्ग, श्रीमती नूतन शर्मा, डॉ. ममता पाण्डेय, श्रीमती कविता यादव, श्रीमती विजया तिवारी, श्रीमती आकांक्षा सोनकर, श्रीमती मोनिका चौधरी कल्हर।

प्रदेश कोशाध्यक्षः– श्रीमती रानिका जायसवाल।

प्रदेश कार्यालय प्रभारीः– श्रीमती रमा सिंह।

प्रदेश मीडिया प्रभारीः– श्रीमती चेतना पाण्डेय।

प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुखः– श्रीमती सुचिता पाठक 'कक्कड़'।

शोध विभागः– श्रीमती सुमनलता जायसवाल।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा पदाधिकारी

प्रदेश अध्यक्षः– श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप

प्रदेश उपाध्यक्षः– श्री चिरंजीव चौरसिया, श्री भाष्कर निषाद, श्री जयप्रकाश कुशवाहा, श्री बाबा बालकदास पाल, श्रीमती विमलेश वर्मा (लोधी), श्री योगेन्द्र मावी (गुर्जर), श्री प्रमेन्द्र जांगड़ा, श्री भरत राजपूत (छीपी)। **प्रदेश महामंत्रीः–** श्री विनोद यादव, श्री संजय भाई पटेल, श्री रामचन्द्र प्रधान (सैन), श्री नानकदीन भुर्जी।

प्रदेश मंत्रीः– श्री विजेन्द्र कश्यप, श्री विनोद राजभर, श्री रूपेन्द्र सिंह 'बंटी चौधरी', श्री मुनीश योगी (जोगी), श्री यशपाल गोला प्रजापति, श्रीमती ज्योति सोनी, श्री रमाशंकर साहू।

प्रदेश कोषाध्यक्षः– श्री ओमप्रकाश गुप्ता (साहू)।

प्रदेश सह कोषाध्यक्षः– श्री नीरज गुप्ता (हलवाई)।

प्रदेश कार्यालय प्रभारीः– श्री विजय कसौधन।

प्रदेश मीडिया प्रभारीः– श्री सौरभ जायसवाल।

प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुखः– श्री प्रवीण कुशवाहा।

प्रदेश शोध विभागः– श्री शिवमंगल साहू।

अनुसूचित जन जाति मोर्चा पदाधिकारी

प्रदेश अध्यक्षः– डॉ0 संजय गोंड।

प्रदेश उपाध्यक्षः– श्री सुखराम गोंड़, श्री राजेन्द्र धुरिया, श्री इन्द्रजीत गोंड़, श्री राधेश्याम गोंड़, श्री राजकुमार खरवार, श्री श्रवण कुमार गोंड़, श्री महावीर प्रसाद गोंड़, श्री कालूराम थारू।

प्रदेश महामंत्रीः– श्री मुन्ना खरवार, श्री विद्याभूषण गोंड़, श्री सूर्यकुमार गोंड़, श्री जयप्रकाश शाह।

प्रदेश मंत्रीः– श्री तारकेश्वर गोंड़, श्री सत्येन्द्र गोंड़, श्री श्याम बिहारी गोंड़, श्री लालजी गोंड़, श्री सरस गोंड़, श्री रमेश गोंड़, श्रीमती सुनीता गोंड़।

प्रदेश कोषाध्यक्षः– श्री शिवशंकर गोंड़।

प्रदेश सह कोषाध्यक्षः– श्री नन्दलाल गोंड़।

प्रदेश कार्यालय प्रभारीः– श्री जितेन्द्र गोंड़।

प्रदेश मीडिया प्रभारीः– श्री मोतीलाल गोंड़।

प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुखः– श्री राजीव चन्द्रा।

प्रदेश शोध विभागः– श्री शैलेन्द्र गोंड।

प्रदेश के विभाग के पदाधिकारी

जिला कार्यालय निर्माण विभाग
प्रदेश संयोजक :– डॉ0 राकेश त्रिवेदी (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष),
सह संयोजक :– श्री विनोद कुमार मिश्रा, श्री किशन सिंह, श्री सज्जनमणि त्रिपाठी, श्री ए0पी0 सिंह

कार्यालय आधुनिकीकरण विभाग
प्रदेश संयोजक:– श्री सुरेश कुमार सिंह
सह संयोजक:– डॉ0 विवेक कुमार मौर्य, श्री मानस पटेल (मोनू)

ग्रन्थालय ई पुस्तकालय विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री राममिलन

रामस्वच्छ भारत अभियान विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री सत्येन्द्र मिश्रा
सह संयोजक :– श्री श्रीमोहन तायल, श्री सुनील कुमार मिश्रा, श्री आलोक सिंह, श्री राकेश जैन

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ
प्रदेश संयोजक :– श्रीमती पूनम मिश्रा
सह संयोजक :– श्रीमती मंजू सिंह, डॉ0 बीना कुमारी गुप्ता, श्रीमती रीता जायसवाल, श्री रामेश्वर

नमामि गंगे
प्रदेश संयोजक :– श्री कृष्ण दीक्षित 'बड़े जी'
सह संयोजक :– श्री अनिल कुमार सिंह पुण्डीर, श्री सुरेश कुमार मिश्र, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री उदय गिरी गोस्वामी

राष्ट्रीय सदस्यता अभियान
प्रदेश संयोजक :– श्री अजय शर्मा
सह संयोजक :– श्री करूणेश नन्दन गर्ग,, श्री गोपाल मोहन शर्मा, डॉ0 राजेश त्रिपाठी, श्री दिनेश चन्द्र गुप्ता

राष्ट्रीय महासम्पर्क अभियान
प्रदेश संयोजक :– डॉ0 देवेन्द्र कुमार शर्मा
सह संयोजक :– श्री चन्द्रभान राय, श्री मुन्ना दूबे , श्री शक्ति सिंह, श्री पर्वत सिंह यादव

राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान
प्रदेश संयोजक :– श्री प्रमोद द्विवेदी
सह संयोजक :– श्री श्रवण कुमार पाण्डेय, श्री प्रमोद सैनी अट्टा, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 शैलेश कुमार पाण्डेय

सुशासन तथा केन्द्र राज्य शासकीय समन्वय विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री सूर्य कुमार शुक्ला (Ex DG)
सह संयोजक :– श्री राजेश राय (Ex IPS), श्री सच्चिदानन्द राय, श्री जितेन्द्र पी. जगत

नीति विषयक शोध विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री पुष्कर मिश्रा
सह संयोजक :– श्री राजीव कुमार अग्रवाल, श्री सचिन दूबे, श्री कुन्दन गुप्ता

मीडिया विभाग
प्रदेश मीडिया प्रभारी :– श्री मनीश दीक्षित
सह मीडिया प्रभारी :– श्री हिमांशु दुबे, श्री धर्मेन्द्र सिंह (राय), श्री प्रियंक पाण्डेय, श्री अभय सिंह

मीडिया सम्पर्क विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री तरूण कान्त त्रिपाठी
सह संयोजक :– श्री नवीन श्रीवास्तव, श्री आशीष कुमार गुप्ता, श्री मनोज कान्त मिश्रा

राजनैतिक प्रतिपुष्टि एवं प्रतिक्रिया विभाग
प्रदेश संयोजक :– डॉ0 अशोक नागर
सह संयोजक :– श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री अन्नू श्रीवास्तव, श्री अनिल कुमार सिंह, डॉ0 रजनीश त्यागी

राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठकें विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव
सह संयोजक :– डॉ0 संजय शुक्ला, श्री अजय कुमार उपाध्याय, श्री दिलीप लोधी, श्री अभिषेक कुमार राय

डॉक्यूमेंटेशन विभाग
प्रदेश संयोजक :– श्री राज कुमार
सह संयोजक :– श्री चन्द्र प्रकाश सिंह उर्फ सी.पी. सिंह, डॉ. राजीव सिरोही, श्री निखिलेश सिंह

सहयोग आपदीय राहत एवं सेवायें विभाग
प्रदेश संयोजक :– कुमार अशोक पाण्डेय
सह संयोजक :– श्री मणिकान्त जैन, श्री सुबोध गुबरेले, श्री राजीव गुप्ता

अध्यक्षीय कार्यालय प्रवास एवं कार्यक्रम
प्रदेश संयोजक :– श्री शंकर लोधी (प्रदेश मंत्री)
सह संयोजक :– डॉ0 विजेन्द्र राणा

साहित्य एवं प्रचार सामग्री विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री गिरिजा शंकर गुप्ता

सह संयोजक :– श्री वेणू रंजन भदौरिया, श्री वीरेन्द्र तिवारी

ट्रस्ट समन्वय विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री राजकुमार अग्रवाल

सह संयोजक :– डॉ. वीरेन्द्र सिंह(MBBS, MD)

चुनाव प्रबंधन

प्रदेश संयोजक :– श्री अरूण कान्त त्रिपाठी

सह संयोजक :– श्री पीयूष मिश्रा, श्री अशोक द्विवेदी, श्री ज्ञान प्रकाश ओझा, श्री कीर्तिवर्धन सिंह

चुनाव आयोग सम्पर्क विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री अखिलेश अवस्थी

सह संयोजक :– श्री नितिन माथुर, श्री प्रखर मिश्रा

कानूनी एवं विधिक विषय विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री रवि सिसोदिया

सह संयोजक :– श्री सूर्यप्रकाश सिंह, श्री सुशील कुमार मिश्रा, श्री ओंकार नाथ निषाद

शोसल मीडिया विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री अंकित सिंह चन्देल

सह संयोजक :– श्री हर्ष चतुर्वेदी, श्री शशि शेखर सिंह, श्री गौरव वार्ष्णेय, श्री सौरभ मरोदिया

पार्टी पत्रिकायें तथा प्रकाशन विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्रीमती मीना चौबे (प्रदेश मंत्री)

सह संयोजक :– श्री राजकुमार, श्री पवन उपाध्याय

विदेश सम्पर्क विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री राजराजेश्वर सिंह

सह संयोजक :– डॉ0 मनोज कुमार शाह, श्री ऋषि पाण्डेय

आजीवन सहयोग निधि विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री ओ.पी. श्रीवास्तव

सह संयोजक :– श्री एस.के. शर्मा, श्री अशोक कुमार अग्रवाल

आई.टी. विभाग

प्रदेश संयोजक :– श्री कामेश्वर मिश्रा

सह संयोजक :– श्री मंगीलाल चौधरी, श्री हिमांशु राज पंडित, श्री अभिषेक तिवारी।

प्रदेश के प्रकोष्ठ के पदाधिकारी

विधि प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री प्रशान्त अटल

सह संयोजक :– श्री रणजीत कुशवाहा, श्री पंकज गुप्ता, श्री स्वतंत्र प्रकाश गुप्ता, श्री अरविन्द सिंह

प्रबुद्ध प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– डॉ0 अनिल कुमार मिश्रा

सह संयोजक :– डॉ. मनोज सिवाच, श्री चन्द्रभूषण पाण्डेय, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री ओमप्रकाश त्रिपाठी

व्यावसायिक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री ओ.पी. मिश्रा

सह संयोजक :– प्रो. (डॉ0) उदय प्रताप सिंह, श्री नीरज गुप्ता, श्री पवन गोयल, श्री उन्मुक्त सम्भव शील

चिकित्सा प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– डॉ0 अभय मणि त्रिपाठी

सह संयोजक :– डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौधरी, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी

आर्थिक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री सुधीर हलवासिया

सह संयोजक:– श्री प्रद्युम्न नारायण जायसवाल, श्री राजीव रंजन अग्रवाल, श्री शिवकुमार गुप्ता, श्री संजीव पाठक बॉबी

व्यापार प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री विनीत अग्रवाल शारदा

सह संयोजक :– श्री सुनील रामा, श्री मुकुन्द स्वरूप मिश्रा, श्री अनूप चन्द्र गुप्ता, श्री राजकुमार शर्मा

सहकारिता प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री डी.के. शर्मा

सह संयोजक :– श्री आलोक कुमार सिंह, श्री ओमप्रकाश सिंह, श्री रामचन्द्र मिश्रा, श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय

प्रदेश के पदाधिकारी

पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– कर्नल राजीव रावत

सह संयोजक :– श्री वीरेन्द्र सिंह राठौर, स्क्वाड्रन लीडर राखी अग्रवाल, श्री अनूप तिवारी

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री रवि सतीजा

सह संयोजक :–श्री दीपक सिंह, श्रीमती नीरा सिन्हा वर्षा, डॉ0 मानसी द्विवेदी, श्री गौरव अवस्थी

बुनकर प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री आर.डी. पाल

सह संयोजक :– सुश्री क्षिप्रा शुक्ला, श्री मोहन लाल कोरी, श्री हरिचरन चौकरया

शिक्षक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री श्रीचन्द्र शर्मा (एमएलसी)

सह संयोजक :– डॉ. यादवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री उमेश द्विवेदी (MLC), श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 हरिशंकर गंगवार

मत्स्य प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री जयप्रकाश निषाद (सांसद राज्यसभा)

सह संयोजक :– श्री रामकरण निषाद, श्री राकेश बिन्द, श्री सत्येन्द्र कश्यप (वॉबी), श्रीमती किरन लोधी निषाद

स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक:– श्री अमित अग्रवाल

सह संयोजक :– श्री रामगोपाल मोहले, श्री अतुल कुमार दीक्षित, श्री अशोक मोंगा, श्री नागेन्द्र प्रसाद गामा दूबे

पंचायत प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री रमेश सिंह

सह संयोजक :– श्री सुन्दरपाल तेवतिया, श्री महेश नारायण तिवारी, श्री संजय दूबे, श्री प्रदीप भाटी

एन.जी.ओ. प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक श्री सन्दीप शाही

सह संयोजक श्री संजय कश्यप, श्री देव त्रिपाठी, श्री सुनील चन्द्र जैन, सुश्री नीतू चौधरी

वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री के.एल.अरोड़ा

सह संयोजक :– श्री रामजियावन मौर्य, श्री राधेश्याम श्रीवास्तव, श्री मान सिंह

लघु उद्योग प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री कुश पुरी

सह संयोजक :– श्री जगमोहन गुप्ता, श्री आशुतोष शर्मा, श्री लोकेश कुमार रस्तोगी, श्री राजेश कुमार त्रिवेदी

शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– डॉ0 दिवाकर मिश्रा

सह संयोजक :– श्री अजय सिंह सह संयोजक श्री पवन सिंह चौहान सह संयोजक श्री मलयज शर्मा

प्रवासी श्रमिक संपर्क प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री राजेश कुमार सिंह

सह संयोजक :– श्री अनुराग श्रीवास्तव, श्री अरविन्द शुक्ल, डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 जितेन्द्र प्रताप राव

रेहडी-पटरी व्यवसाय प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री अजीत प्रताप सिंह

सह संयोजक :– श्री शिवशंकर सैनी, श्री हरशरणलाल गुप्ता, श्री कन्हैयालाल गुप्ता, श्री संजय वर्मा

श्रम प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– श्री भूपेश अवस्थी

सह संयोजक :– श्री दिनेश बाजपेयी, श्री अभय सिंह, श्री नन्दलाल, श्री योगेश कुमार त्रिपाठी

दिव्यांग प्रकोष्ठ

प्रदेश संयोजक :– डॉ0 उत्तम ओझा

सह संयोजक :– श्री अभिषेक त्रिवेदी, श्री हीरालाल सरोज, श्री अवनीश प्रजापति

————————————

सरकार की उपलब्धियां

भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 6,28,993 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 28 जून, 2021 को कोविड–19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों को राहत प्रदान करने के लिए कई उपायों की घोषणा की। घोषित उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणालियों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए तैयार करना और विकास एवं रोजगार के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना है।

6,28,993 करोड़ रुपयों की राशि के कुल 17 उपायों की घोषणा की गई। इनमें पहले घोषित किए गए दो उपाय, डीएपी और पीएंडके उर्वरकों के लिए अतिरिक्त सब्सिडी और मई से नवंबर, 2021 तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) का विस्तार भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई ट्वीट्स के माध्यम से कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित उपायों से विशेष रूप से सेवाओं की कमी वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी, चिकित्सा अवसंरचना में निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और महत्वपूर्ण मानव संसाधन में बढ़ोतरी होगी। इसमें हमारे बच्चों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हमारे किसानों को सहायता देने को महत्व दिया गया है। ऐसी कई पहलों का ऐलान किया गया है, जिससे उनकी लागत घटती है, उनकी आय बढ़ती है और कृषि गतिविधियों में लचीलेपन व स्थायित्व को समर्थन मिलता है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे छोटे उद्यमियों और स्वरोजगार में लगे लोगों को उनकी कारोबारी गतिविधियों को सुचारू रखने और उनके विस्तार में सक्षम बनाने के लिए सहायता का ऐलान किया गया है। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, उत्पादन और निर्यात बढ़ेगा व रोजगार सृजन होगा। परिणाम संबद्ध बिजली वितरण योजना और पीपीपी परियोजनाओं व संपत्ति मुद्रीकरण के लिए व्यवस्थित प्रक्रियाओं से हमारी सरकार की सुधारों के लिए जारी प्रतिबद्धता का पता चलता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा लोगों को जरूरी राहत पहुंचाने के लिए वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण द्वारा की गई घोषणा के मुख्य बिंदु निम्न हैं:

- कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना
- आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के लिए अतिरिक्त 1.5 लाख करोड़ रुपये दिए गए
- 11,000 से अधिक पंजीकृत पर्यटकों/गाइड/यात्रा और पर्यटन हितधारकों को वित्तीय सहायता
- पहले 5 लाख पर्यटकों को एक महीने का निःशुल्क पर्यटक वीजा

- 31 मार्च, 2022 तक 'आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना' का विस्तार

25 लाख व्यक्तियों को ऋण की सुविधा

- क्रेडिट गारंटी योजना के तहत लघु वित्त संस्थानों (एमएफआई) के माध्यम से 25 लाख व्यक्तियों को ऋण की सुविधा प्रदान की जाएगी
- डीएपी और पीएंडके उर्वरकों के लिए 14,775 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) का विस्तार– मई से नवंबर, 2021 तक निःशुल्क खाद्यान्न
- पोषण के लिए जैव–दृढ़ीकृत फसल की 21 जातियां, जलवायु की पूर्व स्थिति और अन्य विशिष्टताएं राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी
- 77.45 करोड़ रुपये के पैकेज के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम (एनईआरएएमएसी) का पुनरुद्धार

बच्चों पर विशेष ध्यान

- बच्चों और बाल चिकित्सा देखभालध्बाल चिकित्सा बिस्तरों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त 23,220 करोड़ रुपये प्रदान किए
- राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (एनईआईए) के माध्यम से परियोजना निर्यात के लिए 33,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन
- निर्यात बीमा कवर के लिए 88,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन
- 2025–26 तक बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना के कार्यकाल का विस्तार

प्रत्येक गांव में ब्रॉडबैंड की सुविधा

- भारतनेट पी.पी.पी. मॉडल के तहत प्रत्येक गांव में ब्रॉडबैंड की सुविधा प्रदान करने के लिए 19,041 करोड़ रुपये प्रदान किए
- सुधार आधारित परिणाम से जुड़ी ऊर्जा वितरण योजना के लिए 3.03 लाख करोड़ रुपये
- सार्वजनिक–निजी साझेदारी परियोजनाओं और परिसंपत्ति मुद्रीकरण के लिए नई सुव्यवस्थित प्रक्रिया

सरकार की उपलब्धियां

जीएसटी भारत के आर्थिक परिदृश्य में मील का पत्थर साबित हुआः नरेन्द्र मोदी

जीएसटी के 4 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी सराहना की। उन्होंने 30 जून को कहा कि यह भारत के आर्थिक परिदृश्य में मील का पत्थर साबित हुआ है। श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि जीएसटी भारत के आर्थिक परिदृश्य में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसने करों की संख्या, अनुपालन बोझ और आम आदमी पर समग्र कर बोझ में कमी की है जबकि पारदर्शिता, अनुपालन और समग्र संग्रह में काफी वृद्धि हुई है।

गौरतलब है कि जीएसटी 1 जुलाई, 2017 को लागू किया गया एक ऐतिहासिक कर सुधार है। पिछले कुछ वर्षों में जीएसटी की दरों में कमी आई है, प्रक्रियाओं का सरलीकरण हुआ है और बढ़ती अर्थव्यवस्था ने भी कर आधार में बड़ी तेजी से वृद्धि की है। जीएसटी राजस्व में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है और यह लगातार आठ महीनों से 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से ज्यादा रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार जीएसटी के 4 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर उन करदाताओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया, जो जीएसटी की सफलता की गाथा का हिस्सा रहे हैं। अतः इसे ध्यान में रखते हुए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा उन करदाताओं की पहचान करने के लिए डेटा विश्लेषण किया गया, जिन्होंने समय पर रिटर्न दाखिल करने के साथ–साथ नकद में जीएसटी के भुगतान में व्यापक योगदान किया है। इसके परिणाम स्वरूप 54,439 करदाताओं की पहचान की गई। इनमें से 88% से भी अधिक करदाता सूक्ष्म (36%), लघु (41%) और मध्यम उद्यमों (11%) से जुड़े हुए हैं।

वैसे तो यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि राष्ट्र लाखों ईमानदार करदाताओं द्वारा किए जाने वाले कर भुगतान के जरिए जुटाए गए राजस्व से ही विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों एवं कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के विकास पर खर्च करने संबंधी अपने दायित्वों को पूरा करता है, लेकिन यह कदम सरकार द्वारा जीएसटी करदाताओं के योगदान के लिए उनसे सीधे संवाद करने का पहला प्रयास है।

इसकी विशिष्ट सराहना किए जाने के रूप में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड इन करदाताओं को प्रशंसा प्रमाणपत्र जारी करेगा। वस्तु और सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) विभिन्न करदाताओं को प्रशंसा प्रमाणपत्र ई–मेल द्वारा भेजेगा। करदाता इन प्रमाणपत्रों को प्रिंट और प्रदर्शित कर सकेंगे।

केंद्र सरकार करदाता सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और सभी करदाताओं की ओर से स्वैच्छिक अनुपालन और एक मजबूत एवं सुदृढ़ भारत के लिए राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए उनका सहयोग चाहती है।

——————

कर्ज गारंटी योजना और आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के विस्तार को मिली स्वीकृति

गत 30 जून को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोविड–19 की दूसरी लहर से विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में आई बाधाओं को देखते हुए स्वास्थ्य/चिकित्सा अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं के विस्तार (ब्राउनफील्ड) और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को वित्तीय गारंटी कवर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 50,000 करोड़ के वित्तपोषण में सक्षम बनाने के लिए कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए कर्ज गारंटी योजना (एलजीएससीएएस) को स्वीकृति दे दी।

मंत्रिमंडल ने बेहतर स्वास्थ्य से संबद्ध अन्य क्षेत्रों/ऋणदाताओं के लिए एक योजना शुरू करने को भी स्वीकृति दे दी। बदलते हालात के आधार पर विस्तृत तौर–तरीकों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत 1,50,000 करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त वित्तपोषण को भी स्वीकृति दे दी।

लक्ष्य

एलजीएससीएएसः यह योजना 31 मार्च, 2022 तक स्वीकृत सभी पात्र कर्जों या 50,000 करोड़ रुपये तक स्वीकृत धनराशि तक, जो भी पहले हो, पर लागू होगी।

ईसीएलजीएसः यह लगातार जारी रहने वाली योजना है। योजना 30 सितम्बर, 2021 तक गारंटेड इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (जीईसीएल) के तहत या जीईसीएल के तहत चार लाख 50 हजार करोड़ रुपये की धनराशि तक स्वीकृत कर्जों, जो भी पहले हो, पर लागू होगी।

————————

वैचारिकी

चिति

–दीनदयाल उपाध्याय

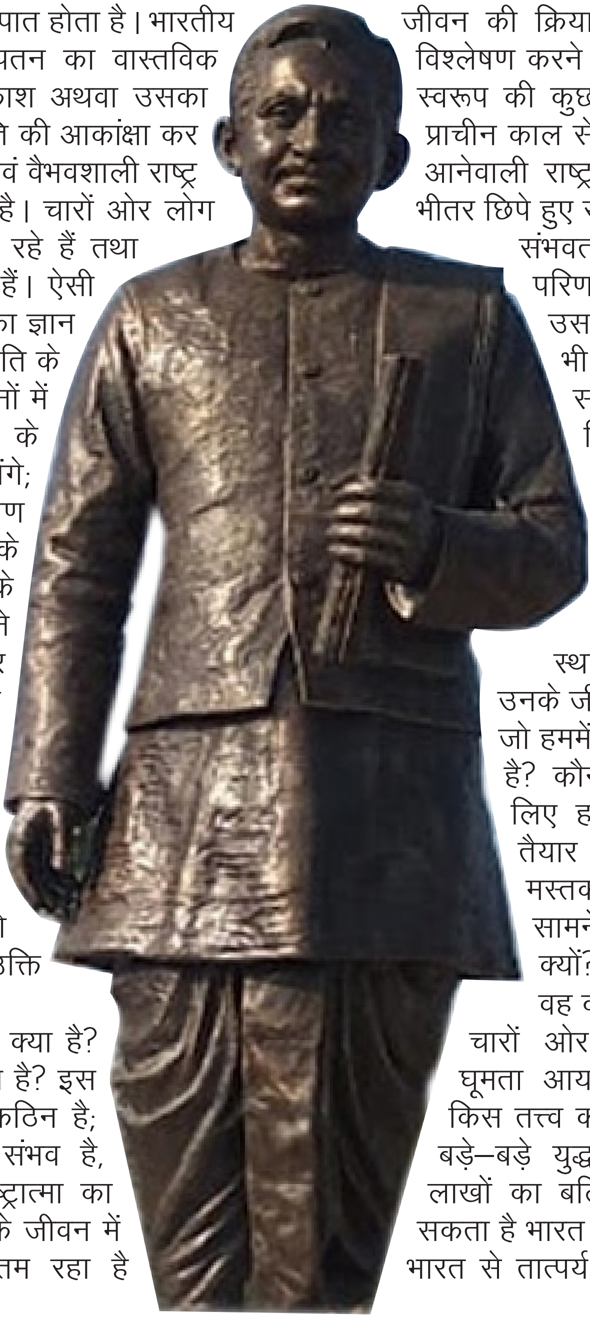

किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व उसकी चिति के कारण होता है। चिति के ही उदयावपात होता है। भारतीय राष्ट्र के भी उत्थान और पतन का वास्तविक कारण हमारी चिति का प्रकाश अथवा उसका अभाव है। आज भारत उन्नति की आकांक्षा कर रहा है। संसार में बलशाली एवं वैभवशाली राष्ट्र के नाते खड़ा होना चाहता है। चारों ओर लोग इस ध्येय का उच्चारण कर रहे हैं तथा उसके लिए प्रयत्नशील भी हैं। ऐसी दशा में हमको अपनी चिति का ज्ञान करना आवश्यक है। बिना चिति के ज्ञान के प्रथम तो हमारे प्रयत्नों में प्रेरक शक्ति का अभाव रहने के कारण वे फलीभूत नहीं होंगे; द्वितीय मन में भारत के कल्याण की इच्छा रखकर और उसके लिए जी तोड़ परिश्रम करके भी हम भारत को भव्य बनाने के स्थान पर उसको नष्ट कर देंगे। स्वप्रकृति के प्रतिकूल किए हुए कार्य के परिणाम स्वरूप जीवन में जो परिवर्तन दिखाई देता है, वह विकास के स्थान पर विनाश का द्योतक है और इस प्रकार 'विनायकं प्रकुर्वाणो रचयामास वानरम' की उक्ति चरितार्थ होती है।

हमारे राष्ट्र जीवन की चिति क्या है? हमारी आत्मा का क्या स्वरूप है? इस स्वरूप की व्याख्या करना कठिन है; उसका तो साक्षात्कार ही संभव है, किंतु जिन महापुरुषों ने राष्ट्रात्मा का पूर्ण साक्षात्कार किया, जिनके जीवन में चिति का प्रकाश उज्ज्वलतम रहा है उनके जीवन की ओर देखने से, उनके जीवन की क्रियाओं और घटनाओं का विश्लेषण करने से, हम अपनी चिति के स्वरूप की कुछ झलक पा सकते हैं। प्राचीन काल से लेकर आज तक चली आनेवाली राष्ट्र पुरुषों की परंपरा के भीतर छिपे हुए सूत्र को यदि हम ढूंढ़े तो संभवतया चिति के व्यक्त परिणाम की मीमांसा से उसके अव्यक्त कारण की भी हमको अनुभूति हो सके। जिन महान् विभूतियों के नाम स्मरण मात्र से हम अपने जीवन में दुर्बलता के क्षणों में शक्ति का अनुभव करते हैं, कायरता की कृति का स्थान वीर व्रत ले लेता है, उनके जीवन में कौन सी बात है, जो हममें इतना सामर्थ्य भर देती है? कौन सी चीज है जिसके लिए हम मर मिटने के लिए तैयार हो जाते हैं? हमारा मस्तक श्रद्धा से किसके सामने नत होता है और क्यों?

वह कौन सा लक्ष्य है जिसके चारों ओर हमारा राष्ट्र जीवन घूमता आया है? अपने राष्ट्र के किस तत्त्व को बचाने के लिए हमने बड़े–बड़े युद्ध किए? किसके लिए लाखों का बलिदान हुआ? उत्तर हो सकता है भारत की भूमि के लिए। किंतु भारत से तात्पर्य क्या जड़ भूमि से है?

क्या हमने हिमालय के पत्थर और गंगा के जल की रक्षा की है? हमारे अवतारों ने किस हेतु जन्म लिया था? उनको हम भगवान् का अवतार क्यों कहते हैं?

उपर्युक्त अनेक प्रकार के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों का यदि हम उत्तर दें तो हमको अपनी चिति का पता चल सकता है। हमारे शास्त्रकारों ने इसको 'धर्म' के नाम से पुकारा है। आज धर्म शब्द के भ्रमपूर्ण अर्थ प्रचलित हो गए हैं। अंग्रेजी के 'रिलीजन' का पर्यायवाची मानकर तथा 'रिलीजन' और 'दीन' के नाम पर यूरोप तथा अन्य देशों में जो–जो अमानुषिक अत्याचार हुए हैं उनका संबंध इसके साथ बैठाकर, लोग धर्म शब्द से चिढ़ने लग गए हैं। वे धर्म को नष्ट करने पर तुले हुए हैं अथवा उनमें जो नरम दल के हैं वे धर्म को केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित चाहते हैं। राष्ट्र और समाज का धर्म से वे कोई संबंध नहीं मानते। जहां तक 'धर्म' से उनका तात्पर्य रिलीजन से है, वे सही हो सकते हैं। किंतु धर्म का अर्थ तो व्यापक है और इस व्यापक अर्थ के पीछे जो भाव हैं वे ही भाव भारत की कोटि–कोटि जनता में धर्म शब्द को सुनकर उत्पन्न होते हैं। आज राम और कृष्ण हमारे धर्म के महापुरुष कहे जाते हैं। क्या वे किसी की व्यक्तिगत संपत्ति है? कौन सा राष्ट्र भक्त उनकी स्मृति को भारत से मिटा देना चाहेगा? रामायण और महाभारत हमारे धर्म ग्रंथ हैं। क्या वे हमारे लिए अपठनीय हैं? क्या उनमें आज के राष्ट्र जीवन को प्रेरणा देनेवाला कुछ भी नहीं है? हमारा धर्म हमको गंगा को पवित्र मानना सिखाता है, हमारा धर्म हमको चारों धाम की यात्रा द्वारा भारतभूमि की परिक्रमा करने को कहता है। क्या यह राष्ट्र भक्ति की उज्ज्वलतम भावना ही नहीं है?

हमारा धर्म हमारे राष्ट्र की आत्मा है। बिना धर्म के राष्ट्र जीवन का कोई अर्थ नहीं रहता। भारतीय राष्ट्र न तो हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैले हुए भू–खंड से बन सकता है और न तीस करोड़ मनुष्यों के झुंड से। एक ऐसा सूत्र चाहिए जो तीस करोड़ को एक–दूसरे से बांध सके, जो तीस कोटि को इस भूमि में बांध सके। वह सूत्र हमारा धर्म ही है बिना धर्म के भारतीय जीवन का चौतन्य ही नष्ट हो जाएगा, उसकी प्रेरक शक्ति ही जाती रहेगी। अपनी धार्मिक विशेषता के कारण ही संसार के भिन्न–भिन्न जन समूहों में हम भी राष्ट्र के नाते खड़े हो सकते हैं। धर्म के पैमाने से ही हमने सबको नापा है। धर्म की कसौटी पर ही कसकर हमने खरे–खोटे की जांच की है। हमने किसी को महापुरुष मानकर पूजा है तो इसलिए कि उनके जीवन में पग–पग हमको धार्मिकता दृष्टिगोचर होती है। राम हमारे आराध्य देव बनकर रहे हैं और रावण सदा से घृणा का पात्र बना है। क्यों? राम धर्म के रक्षक थे और रावण धर्म का विनाश करना चाहता था। युधिष्ठिर और दुर्योधन दोनों भाई–भाई थे, दोनों राज्य चाहते थे, एक के प्रति हमारे मन में श्रद्धा है तो दूसरे के प्रति घृणा।

> *किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व उसकी चिति के कारण होता है। चिति के ही उदयावपात होता है। भारतीय राष्ट्र के उत्थान और पतन का वास्तविक कारण हमारी चिति का प्रकाश अथवा उसका अभाव है।*

केवल धर्म के भाव अथवा अभाव के कारण ही एक स्थान पर एक को बुरा मानते हैं तो दूसरे स्थान पर उसीको अच्छा कहते हैं। इसीके लिए देशद्रोही विभीषण परम वैष्णव हुआ और सुई के बराबर भी भूमि न देने को तैयार दुर्योधन विष्णुद्रोही गिना गया। एक ओर राजभक्ति को हमने माना है तो धर्म के लिए ही ऋषियों ने वेन को राज्यच्युत किया था। धर्म के लिए ही श्रवणकुमार अपने माता–पिता को कंधे पर लिए–लिए घूमा, धर्म के लिए ही प्रह्लाद ने हिरण्य कश्यप का विरोध किया। राम ने एक पत्नी–व्रत का पालन करके धर्म की रक्षा की तो कृष्ण ने अनेकों विवाह करके उसी धर्म को निभाया। अपने इतिहास में अनेक ऐसे श्रद्धास्पद उदाहरण मिलेंगे जिनमें इस प्रकार का विरोधाभास होगा, उनकी निराकृति केवल धर्म के भाव से ही संभव है।

हम अपने जीवन में धर्म को महत्त्व देकर ही प्रत्येक कार्य करते हैं। हमारा उठना–बैठना, सोना, खाना–पीना सबके पीछे धर्म का भाव रहता है। इसलिए स्मृति ग्रंथों में उनके संबंध में नियम दिए गए हैं। स्मृति–ग्रंथों को सभी धर्म–ग्रंथ मानते हैं।

हमारा साहित्य लोक–कल्याण की धार्मिक भावना से ही प्रेरणा लेता है कवि अपनी रचना 'स्वान्तः सुखाय' करते हुए भी अंतःकरण में आत्मा के साक्षात्कार की अनुभूति में सुख लेता हुआ धार्मिक प्रवृत्ति की उच्चतम अवस्था को प्राप्त करता है। क्या कोई कवि भारत में हुआ है जिसके काव्य के एक–एक पद में राष्ट्रात्मा की पुकार हो और वह धार्मिक भावना से परिपूर्ण न हो। हमारे बाल्मीकि, व्यास, कालिदास, तुलसी, सूर, ज्ञानदेव, समर्थ, चौतन्य और नानक कवि थे, साथ ही ऋषि और संत भी थे। हमारे धर्म को अपने आचरण में लानेवाले आदर्श महापुरुष थे। इसीलिए उनके शब्द राष्ट्र के शब्द हो गए हैं; उनकी वाणी युग–युग में राष्ट्र जीवन का संचार करती आई है। हमारे राजनीतिज्ञ, आचार्यों ने भी राजनीति पर धर्म का पुट चढ़ाया है। शुक्राचार्य और चाणक्य धर्मविहीन राजनीति के पोषक नहीं थे। धर्महीन राजनीति का कोई अर्थ ही नहीं है। हमारे सम्राटों ने अश्वमेघ यज्ञ धर्म समझकर किए या राजनीति समझकर? राणा प्रताप का अकबर से युद्ध राजनीति के क्षेत्र में आता है या धर्म के क्षेत्र में। शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह राजनीतिक नेता हैं या धार्मिक। दयानंद और विवेकानंद के कार्य का भारत की राजनीति और राष्ट्र पर क्या कोई प्रभाव नहीं है? गांधीजी के भारत व्यापी प्रभाव के पीछे उनका महात्मापन, उनका धार्मिकपन है या राजनीति? स्वदेशी आंदोलन में फांसी के तख्ते पर गीता की प्रति लेकर चढ़नेवाले क्रांतिकारी वीरों में धार्मिक प्रेरणा थी या राजनीतिक? हम देखते हैं कि दोनों को अलग नहीं कर सकते। हमारी राजनीति हमारी धार्मिक वृत्ति का ही परिणाम है, अपनी धार्मिकता की रक्षा करने की एक साधन–मात्र है। यह धार्मिक प्रवृत्ति हमारे राज्य में इतनी व्यापक है कि उससे कोई क्षेत्र अछूता नहीं रहता। वर्णाश्रम धर्म समाज की एक प्रणाली है किंतु हमने इसको धर्म की वेशभूषा से सुसज्जित किया है। विवाह एक जीवन और समाज की आवश्यकता है, हमने इसको धर्मकृत्य माना है। संतानोत्पत्ति हम धर्म समझकर करते हैं और संतान भी माता–पिता की सेवा धर्म समझकर ही करती है। मरने के बाद श्राद्ध क्रिया भी धर्म मानकर की जाती है। यद्यपि इन सब कार्यों की तह में समाज रचना, जाति की सनातन परंपरा तथा राष्ट्रत्व है। हम नित्य बड़े–बूढ़ों की वंदना करते हैं यह हमारा धर्म है। हम नित्य स्नान करते हैं यह गांव का कोई भी व्यक्ति बताएगा कि उसका धर्म है। इसलिए कर्मकांडी लोग बीमारी की अवस्था तक में स्नान करते हैं। बिना स्नान नहीं रह सकते। बिना स्नान के भोजन न करना धर्म ही है। कुएं पर जूते ले जाना अधर्म है। भोजन की स्वच्छतापूर्वक बनाना धर्म है। अपने–अपने घर में तुलसी हम धर्म समझकर ही रखते हैं, वह मलेरिया नाशक है, यह समझकर नहीं। स्वच्छता और स्वास्थ्य के सभी नियम धर्म बन गए हैं। हमारा कृषक बीज बोता है, उसके पीछे धर्म भावना छिपी है। धर्म भावना के कारण ही, चाहे आज वह विकृत क्यों न हो गई हो, बहुत स्थानों पर ब्राह्मण हल को हाथ नहीं लगाता है। विद्यार्थी गुरु की सेवा करता है, गुरु विद्यार्थी को पुत्रवत् मानता है, इन दोनों के पीछे धर्म की भावना है, की भावना नहीं। जितने ही उदाहरण हम लें सबमें हमें यह दिखाई देगा कि हमारी धार्मिक प्रवृत्ति रही है। जीवन के प्रत्येक कृत्य को हमने धार्मिक रंग में रंगा है और धर्म से प्रेरणा लेकर ही हमने अपने जीवन की रचना की है।

> *हमारा धर्म हमारे राष्ट्र की आत्मा है। बिना धर्म के राष्ट्र जीवन का कोई अर्थ नहीं रहता। भारतीय राष्ट्र न तो हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैले हुए भूखंड से बन सकता है और न तीस करोड़ मनुश्यों के झुंड से। एक ऐसा सूत्र चाहिए जो तीस करोड़ को एक-दूसरे से बांध सके, जो तीस कोटि को इस भूमि में बांध सके। वह सूत्र हमारा धर्म ही है।*

भारत का राष्ट्र जीवन युग–युग में भिन्न–भिन्न स्वरूप में व्यक्त हुआ है किंतु उसके मूल में उसकी धर्म भावना रही है और इसीलिए अनेक विद्वानों ने कहा भी है कि भारत धर्मप्राण देश है। आज अपनी इस आत्मा की प्रेरणा को अचेतन से चेतन के क्षेत्र में लाने पर ही राष्ट्र जीवन में जो विकृति दिखाई देती है, जो विक्षुब्ध, संघर्षमय, अनिश्चितता की अवस्था है, वह दूर की जा सकती है।

साभार–राष्ट्रधर्म, कार्तिक पूर्णिमा, वि.सं. 2005, अंक 6

श्रद्धांजलि

अटल बिहारी वाजपेयी राम तो लक्ष्मण थे बाबूजी:राजनाथ सिंह

वरिष्ठ भाजपा नेता राज्यपाल स्व0 लालजी टंडन की प्रथम पुण्यतिथि पर मा0 रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने हजरतगंज में मल्टीलेवल पार्किंग के सामने उनकी 12.5 फीट ऊंची कांस्य की प्रतिमा का लोकार्पण किया। प्रतिमा के अनावरण के उपलक्ष्य में मा0 रक्षा मंत्री ने लालजी टंडन 'बाबूजी' के साथ बिताई स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि लखनऊ की सभ्यता और संस्कृति को बाबूजी बहुत ही करीब से जानते थे। उन्होंने बाबू जी को लक्ष्मण तथा मा0 अलट बिहारी वाजपेयी जी को राम की तरह देखते हैं। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस अवसर पर स्व0 लालजी टंडन को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि टंडन जी ने सभासद से लेकर नगर विकास मंत्री तक का सफर तय किया। दो राज्यों में राज्यपाल रहे और अपना सम्पूर्ण जीवन लखनऊ को अर्पित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बाबू जी लखनऊ के ही नहीं पूरे प्रदेश के है और हमसभी को उनके पद चिन्हों पर चलना चाहिए। उपमुख्मंत्री श्री दिनेश शर्मा जी ने लखनऊ और बाबूजी को एक–दूसरे का पूरक बताया और कहा कि बाबूजी लखनऊ की चलती–फिरती विरासत थे। मा0 मंत्री नगर विकास श्री आशुतोश टंडन जी इस अवसर पर भावुक हो उठे और कहा कि इस स्थान से बाबू जी का गहरा नाता रहा है। इस अवसर पर लखनऊ महापौर ने लालजी टंडन के नाम पर एक पार्क का नाम रखने की घोशणा की और कहा कि लालजी टंडन लखनऊ के पितामह थे। प्रदेश अध्यक्ष भाजपा श्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि बाबू जी हम सभी के मार्गदर्शक थे, वे कर्मठ एवं निश्ठावान व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे।

बाबू जी की प्रतिमा का अनावरण

श्रद्धांजलि एवं मूर्ति लोकापर्ण कार्यक्रम में मा0 रक्षामंत्री, मा0 मुख्यमंत्री, मा0 उपमंत्री, लखनऊ की महापौर, मा0 नगर विकास मंत्री, मा0 कानून मंत्री श्री बृजेश पाठक जी, मा0 प्रदेश अध्यक्ष भाजपा व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पदभार गृहण समारोह

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2018-20
जुलाई द्वितीय 2021 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 26–29 (द्वितीय पाक्षिक)

स्व. लालजी टण्डन जी की प्रतिमा का अनावरण

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी